- 19th Year
- Issue: 254
- 21.01.2026 (WEDNESDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

नितिन नबीन ने संभाली भाजपा की कमान, नरेंद्र मोदी ने नए अध्यक्ष के परिवार से भी की मुलाकात

नयी दिल्ली २०/०१ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा मुज़्यालय में नव निर्वाचित भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के परिवार से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। नितिन नबीन ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने नितिन नबीन के साथ मिठाई भी बांटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और जेपी नड्डा भी इस अवसर पर उपस्थित थे। उज़र प्रदेश के मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, त्रिपुरा के मुज़्यमंत्री माणिक साहा, दिल्ली की मुज़्यमंत्री रेखा गुप्ता, उज़राखंड के मुज़्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राजस्थान के मुज़्यमंत्री भजनलाल शर्मा और कई अन्य भाजपा नेताओं ने नितिन नबीन को बधाई दी। आज भाजपा नेता नितिन नबीन ने औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। पार्टी मुज़्यालय में नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नबीन ने कहा कि वे केवल पदभार ग्रहण नहीं कर रहे हैं, बल्कि पार्टी के राष्ट्रवादी आंदोलन की विचारधारा, परंपराओं और जिज़्मेदारी को अपना रहे हैं। उन्होंने वरिष्ठ नेताओं और पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए 14 करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयास को रेखांकित किया, जो एक विकसित भारत की दिशा में काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आज का क्षण मेरे लिए संकल्प का क्षण है। आज मैं केवल पद ग्रहण नहीं कर रहा हूँ। मैं इस पार्टी के राष्ट्रवादी आंदोलन की विचारधारा, परंपराओं और जिज़्मेदारी को स्वीकार कर रहा हूँ, और इस अवसर पर मैं अपने सभी वरिष्ठ सहयोगियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ...आज 14 करोड़ भारतीय एक विकसित भारत के सपने से जुड़ रहे हैं और देश को आगे ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

वरिष्ठ भारतीय राजनीतिज्ञ नवीन बिहार विधानसभा के पाँच बार सदस्य रह चुके हैं और बिहार सरकार में पूर्व मंत्री भी रह चुके हैं। वे अपनी निरंतर संगठनात्मक कुशलता और प्रशासनिक अनुभव के लिए व्यापक रूप से जाने जाते हैं। 23 मई, 1980 को झारखंड के रांची में जन्मे नबीन ने कम उम्र में ही चुनावी राजनीति में प्रवेश किया और पहली बार 2006 में पटना पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से बिहार विधानसभा के लिए चुने गए। 2010 से, नबीन लगातार बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित होते रहे हैं, उन्होंने 2010, 2015, 2020 और 2025 में जीत हासिल की, इस प्रकार वे पांच बार के विधायक बन गए। उन्होंने बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में सड़क निर्माण, शहरी विकास एवं आवास और कानून जैसे महत्वपूर्ण विभागों का भी कार्यभार संभाला है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर नियमन होना चाहिए- अनंत विजय

नयी दिल्ली २०/०१ (संवाददाता): अखिल भारतीय साहित्य परिषद् द्वारा नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला में ओटीटी प्लेटफॉर्म की सामग्री का नियमन विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा में अपने विचार रखते हुए %ओवर द टॉप का मायाजाल% पुस्तक के लेखक एवं समीक्षक अनंत विजय ने कहा कि ओवर द टॉप यानी ओटीटी पर जिस तरह की सामग्री परोसी जा रही है, इसे लेकर लंबे समय से चर्चा हो रही है। अच्छी बात है कि अखिल भारतीय साहित्य परिषद् इस विषय पर परिचर्चा आयोजित कर रही है।

उन्होंने कहा कि सिनेमा से ज्यादा बड़ा फलक ओटीटी का हो गया है। इस माध्यम में कुछ अच्छी कहानियां दिखाई जा रही हैं, लेकिन अनेक कहानियों में प्रस्तुत भगवान का उपहास उड़ाने की प्रवृज़ि, सेना और सैनिकों की छवि खराब करने जैसे प्रसंग, गाली-गलौज, यौनिकता, नग्नता, हिंसा से भरे कंटेट चिंता का विषय है और उस पर कहीं न कहीं अंकुश लगाने की आवश्यकता है। मेरा मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर नियमन होना चाहिए।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही नितिन नबीन बोले-राजनीति भोग नहीं, त्याग है...

नयी दिल्ली २०/०१ (संवाददाता): नितिन नबीन को मंगलवार को औपचारिक रूप से भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। उन्होंने जेपी नड्डा का स्थान लिया और पार्टी के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत की, ज़्योंकि पार्टी देश की राजनीति पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के रिटर्निंग ऑफिसर के. लक्ष्मण ने संगठनात्मक चुनावों के परिणाम घोषित किए और 45 वर्षीय नबीन को चुनाव प्रमाण पत्र सौंपा। वे पार्टी के शीर्ष पद पर आसीन होने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नड्डा, वरिष्ठ मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी और अन्य कई लोग नेतृत्व परिवर्तन के साक्षी बनने के लिए भाजपा मुज़्यालय में उपस्थित थे। नबीन भाजपा के 12वें अध्यक्ष बने, जिसकी स्थापना 1980 में हुई थी, उसी वर्ष उनका जन्म भी हुआ था। सादगीप्रिय और कम चर्चित नबीन ने 14 दिसंबर को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद बिहार सरकार में कानून और न्याय, शहरी विकास और आवास मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि मैं आज इस अवसर पर पार्टी के पूर्व के राष्ट्रीय अध्यक्षों का स्मरण करता हूं और उनका अभिवादन करता हूं। आज का क्षण मेरे लिए संकल्प का क्षण है। आज मैं केवल पद ग्रहण नहीं कर रहा हूँ। मैं इस पार्टी की विचारधारा, परंपराओं और राष्ट्रवादी आंदोलन की ज़िम्मेदारी को स्वीकार कर रहा हूँ, और इस अवसर पर मैं अपने सभी वरिष्ठ सहयोगियों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। आज 140 करोड़ भारतीय विकसित भारत के सपने से जुड़ रहे हैं और देश को आगे ले जाने के लिए काम कर रहे हैं। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।अगले कुछ महीनों में तमिलनाडु, असम, बंगाल, केरल और पुडुचेरी में चुनाव होने वाला है और वहां की डेमोग्राफी की चर्चा हो रही है कि किस प्रकार वहां डेमोग्राफी बदल रही है। यह हमारे लिए चुनौती है लेकिन हम पूरी तरह आश्वस्त हैं कि भाजपा का कार्यकर्ता अपने संघर्ष और परिश्रम के बल पर इन पांचों राज्यों में सशक्त भाजपा का नेतृत्व प्रदान करेगा। भाजपा के कार्यकर्ता कुछ नारों को जनसंघ के समय से गढ़ते थे- राम लला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगे, जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है, एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेगा।% भाजपा के कार्यकर्ताओं ने वह समय देखा जब अयोध्या में राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त हुआ। जज़्मू-कश्मीर की जनता ने धारा 370 से मुक्ति का दौर देखा... जब हम श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा लहराते देखते हैं तो गर्व की अनुभूति होती है।

30 जनवरी को भाजपा का मेयर तय, शिंदे गुट को नहीं मिलेगा पद?

मुंबई २०/०१ (संवाददाता): बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में 30 जनवरी को महापौर चुनाव हो सकते हैं। इस चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नया महापौर मिलने की संभावना है। सूत्रों से यह भी संकेत मिलता है कि भाजपा शिंदे गुट को महापौर पद की पेशकश नहीं करेगी। बीएमसी आयुक्त महापौर चुनाव का औपचारिक कार्यक्रम घोषित करेंगे। इसमें महापौर के चुनाव के लिए श्रेणी तय करने हेतु लॉटरी निकाली जाएगी, जिसके बाद महापौर और उप महापौर दोनों के लिए मतदान होगा।

बीएमसी में भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की संयुक्त शक्ति 118 पार्षदों की है, जो बहुमत के लिए आवश्यक 114 सीटों से चार अधिक है। अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), जिसके पास तीन सीटें हैं और जो महायुति गठबंधन का हिस्सा है, के समर्थन से यह संज़्या बढ़कर 121 हो जाती है, जिससे सज़ारूढ़ गठबंधन की स्थिति और मजबूत हो जाती है।विपक्षी दल की ओर से उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को 65 सीटें मिली हैं। उसने राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था, जिसे केवल छह सीटें ही मिल सकीं। कांग्रेस ने 24 सीटें जीतीं, जबकि शरद पवार की एनसीपी (एसपी) को सिर्फ एक सीट मिली। इन सभी पार्टियों को मिलाकर भी कुल 96 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के लिए आवश्यक सीमा से काफी कम हैं।

शहरी नज़्सलवाद और घुसपैठियों पर मोदी का डबल अटैक, बोले-ये अंतरराष्ट्रीय साजिश है

नयी दिल्ली २०/०१ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शहरी नज़्सलवाद के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसने अंतरराष्ट्रीय आयाम हासिल कर लिए हैं और यह भारत के खिलाफ काम करना जारी रखे हुए है। राजधानी में भाजपा के राष्ट्रीय मुज़्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, जहां नितिन नबीन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला, पीएम मोदी ने कहा कि एक और बड़ी चुनौती शहरी नज़्सलवाद है। शहरी नज़्सलवाद का दायरा अंतरराष्ट्रीय होता जा रहा है। अगर वे साल में एक-दो बार भी मोदी के बारे में कुछ सकारात्मक ट्वीट करते हैं, या टीवी पर कुछ सकारात्मक कहते हैं, या अखबार में कुछ सकारात्मक लिखते हैं, तो कुछ पत्रकार उन्हें इतना अपमानित करते हैं कि उनका पीछा किया जाता है और उन्हें अछूत बना दिया जाता है। उन्हें इस तरह चुप करा दिया जाता है कि वे फिर कभी बोल न सकें। यही शहरी नज़्सलवाद का तरीका है। मोदी ने आगे कहा कि वर्षों से ऐसे समूह भाजपा को अलग-थलग करते रहे हैं और देश भर में पार्टी सदस्यों को अछूतों की तरह मानते रहे हैं। अब देश इन शहरी नज़्सलियों की हरकतों को समझ रहा है। शहरी नज़्सली लगातार भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए काम कर रहे है। आज सुबह प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर में घुसपैठियों के बारे में चेतावनी देते हुए कहा कि हमें हर चुनौती का पूरी ताकत से सामना करना होगा। आज देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती घुसपैठियों की है। दुनिया में कोई भी देश अपने देश में घुसपैठियों को स्वीकार नहीं करता, और भारत भी घुसपैठियों को अपने गरीबों और युवाओं के अधिकारों को छीनने की अनुमति नहीं दे सकता। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं; उनकी पहचान करना और उन्हें उनके देशों में वापस भेजना बेहद जरूरी है। इसके अलावा, जो राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं, उन्हें पूरी ताकत से जनता के सामने बेनकाब किया जाना चाहिए। इसी बीच, नितिन नबीन ने आज सुबह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कई अन्य भाजपा नेता और भाजपा शासित राज्यों के मुज़्यमंत्री उपस्थित थे। वरिष्ठ भारतीय राजनीतिज्ञ नितिन नबीन बिहार विधानसभा के पांच बार के सदस्य और बिहार सरकार में पूर्व मंत्री रह चुके हैं। वे अपनी निरंतर संगठनात्मक क्षमता और प्रशासनिक अनुभव के लिए जाने जाते हैं। 36 में से 30 राज्य अध्यक्षों के निर्वाचित होने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुई, जो आवश्यक 50 प्रतिशत की सीमा को पार कर गई। चुनाव कार्यक्रम 16 जनवरी, 2026 को मतदाता सूची के साथ घोषित किया गया था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन प्रक्रिया कल, 19 जनवरी, 2026 को दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच संपन्न हुई।

गणतंत्र दिवस पर डीआरडीओ का गेम चेंजर प्रदर्शन, हाइपरसोनिक मिसाइल से समंदर में कांपेगा दुश्मन

नयी दिल्ली २०/०१ (संवाददाता): 77वें गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार लंबी दूरी की एंटी-शिप हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल का प्रदर्शन होने जा रहा है। डीआरडीओ द्वारा विकसित यह मिसाइल भारतीय नौसेना की जरूरतों को पूरा करेगी। मिसाइल के बारे में जानकारी देते हुए, डीआरडीओ के एएसएल परियोजना निदेशक ए प्रसाद गौड ने बताया कि यह एक हाइपरसोनिक मिसाइल है और दुश्मन के रडार इसे पकड़ नहीं सकते। उन्होंने कहा कि यह मिसाइल समुद्री क्षेत्र में भारत की क्षमता को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि यह मिसाइल डीआरडीओ द्वारा भारतीय नौसेना की आवश्यकता के लिए विकसित की जा रही है। इसका मुज़्य लाभ यह है कि यह हाइपरसोनिक है, इसलिए दुश्मन के रडार इसे पकड़ नहीं सकते... इसकी मारक क्षमता लगभग 1500 किलोमीटर है और यह विभिन्न पेलोड ले जा सकती है, जिससे समुद्र में तैनात जहाजों पर लगे युद्धक हथियारों को नष्ट किया जा सकता है। यह हाइपरसोनिक गति और उच्च वायुगतिकीय दक्षता के साथ यात्रा करती है... इससे समुद्री क्षेत्र में भारत की क्षमता बढ़ेगी... डीआरडीओ हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल प्रौद्योगिकी और हाइपरसोनिक ज़रूज मिसाइल प्रौद्योगिकी पर काम कर रहा है। इससे पहले, भारत ने महाराष्ट्र के अहिल्या नगर स्थित फायरिंग रेंज में अपने पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल के नए संस्करण का सफल परीक्षण किया। डीआरडीओ द्वारा विकसित इस मिसाइल का परीक्षण केके रेंज में किया गया। परीक्षण के दौरान, मिसाइल ने चलते हुए लक्ष्य को सटीक रूप से निशाना बनाया, जिससे इसकी परिचालन क्षमता का प्रदर्शन हुआ। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह मिसाइल एंटी-टैंक गाइडेड सिस्टम की तीसरी पीढ़ी की है और इसमें फायर-एंड-फॉरगेट डिज़ाइन है। यह टॉप-अटैक तकनीक से लैस है, जो इसे बज़्तरबंद वाहनों को ऊपर से निशाना बनाने में सक्षम बनाती है, जहां आमतौर पर सुरक्षा कमजोर होती है। मंत्रालय ने कहा कि मिसाइल का वारहेड आधुनिक मुज़्य युद्धक टैंकों को नष्ट करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली है। इस सिस्टम को पैदल सेना के जवान तिपाई का उपयोग करके दाग सकते हैं या किसी सैन्य वाहन से लॉन्च कर सकते हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ और उसके उद्योग भागीदारों की सराहना करते हुए इसे देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

मैगी, बासमती चावल, कई महीनों का पूरा इंतजाम, 12,000 फीट पर जैश ने बना लिया था बंकर, सेना ने उड़ा दिया

किश्तवार २०/०१ (संवाददाता): किश्तवार के ऊंचे पहाड़ों में पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहज़्मद (जेईएम) से जुड़े आतंकवादियों ने लंबे समय तक छिपने की योजना बनाई थी। पत्थरों की कतारों से सावधानीपूर्वक सुरक्षित किए गए एक मजबूत बंकर में महीनों तक रहने के लिए पर्याप्त सामान जमा था, जो एक लंबे समय तक छिपने की तैयारी का संकेत देता है। सेना ने एक गहन आतंकवाद विरोधी अभियान के बाद इस बंकर का भंडाफोड़ किया, जिसमें एक कमांडो ने शहीद हो गए और कई अन्य घायल हो गए।

खबरों के अनुसार, बंकर से कम से कम 50 पैकेट नूडल्स, टमाटर और आलू का एक पूरा क्रेट, 15 प्रकार के मसाले, 10 किलो बासमती चावल के दो बोरे, दाल, गेहूं और बाजरे के बोरे, दो बड़े एलपीजी सिलेंडर, बर्नर और सूखी लकड़ी बरामद की गई। गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल हुए एक पैराट्रूपर ने दम तोड़ दिया। चल रहे तलाशी अभियान के दौरान राशन से भरे संदिग्ध आतंकी ठिकाने का पता चला।

जैश-ए-मोहज़्मद से जुड़े माने जा रहे दो से तीन आतंकवादियों के इलाके में छिपे होने का संदेह है। रविवार देर रात रोके गए इस अभियान को सोमवार तड़के फिर से शुरू किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवादियों से संपर्क स्थापित करने के बाद रविवार को चत्रू क्षेत्र के मन्द्रल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में अभियान शुरू किया गया। मुठभेड़ हुई, जिसमें आठ सैनिक घायल हो गए, जिनमें से अधिकांश अचानक हुए ग्रेनेड हमले के छर्रों से घायल हुए थे।अधिकारियों ने बताया कि दुर्गम भूभाग, घनी वनस्पति और खड़ी ढलानों के कारण दृश्यता और आवागमन में भारी बाधा उत्पन्न हुई, जिसके चलते अभियान को रात भर के लिए रोकना पड़ा। एज़्स पर एक पोस्ट में सेना के व्हाइट नाइट कोर ने बताया कि चत्रू क्षेत्र में ऑपरेशन त्राशी-द्व जारी है। पोस्ट में कहा गया कि घेराबंदी और कड़ी कर दी गई है और तलाशी अभियान का दायरा बढ़ा दिया गया है।

विविध समाचार

अटल-आडवाणी से नड्डा-नबीन तक...45 सालों में किस-किस ने थामी कमल की कमान

नयी दिल्ली २०/०१ (संवाददाता):भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुज़्यालय में नितिन नबीन को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य वरिष्ठ नेता इस अवसर पर उपस्थित थे। 45 वर्षीय नबीन निर्विरोध चुने गए और पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने, जिससे वे इस पद पर आसीन होने वाले सबसे युवा अध्यक्ष बन गए हैं। इससे पहले 15 दिसंबर को उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 36 में से 30 राज्य अध्यक्षों के चुनाव के बाद शुरू हुई, जो आवश्यक 50 प्रतिशत की सीमा को पार कर गया। चुनाव कार्यक्रम और मतदाता सूची की घोषणा 16 जनवरी, 2026 को की गई। नामांकन प्रक्रिया सोमवार को दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच हुई, जिसमें नितिन नबीन के पक्ष में कुल 37 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित कई शीर्ष नेता प्रस्तावक थे। 1980 में भाजपा की स्थापना के बाद से कई प्रभावशाली नेताओं ने संगठन की बागडोर संभाली है। प्रत्येक अध्यक्ष ने पार्टी की वैचारिक दिशा, संगठनात्मक संरचना और चुनावी रणनीति को अपने विशिष्ट तरीके से आकार दिया है। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में शुरुआती वर्षों से लेकर नितिन नबीन के नेतृत्व में वर्तमान नेतृत्व तक, भाजपा अध्यक्षों का सफर एक छोटी राजनीतिक इकाई से सदस्यता के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने तक पार्टी के विकास को दर्शाता है।

लालकृष्ण आडवाणी (1986 से 1991)-थोड़े कट्टर छवि के माने जाने वाले लाल कृष्ण आडवाणी बीजेपी के नए अध्यक्ष बन गए। अब बीजेपी में नेतृत्व आडवाणी का था और नियंत्रण संघ का। इसलिए बीजेपी ने हिंदुत्व का रास्ता अज़्तियार किया। इसके बाद ये रास्ता बनता हुआ खुद पर खुद बनता चला गया।

मुरली मनोहर जोशी (1991 से 1993)-1991 का चुनाव बीजेपी ने राम मंदिर के मुद्दे पर लड़ा और उसने 120 सीटें जीत लीं। इस साल बीजेपी देश की नंबर दो पार्टी बन गई। बीजेपी को लग गया कि सज़ा की संजीवनी चाहिए तो राम नाम से राष्ट्रवाद पर जाना होगा। इसी दौर में बीजेपी में मुरली मनोहर जोशी अध्यक्ष बन गए थे। दिसंबर 1991 में उनकी तिरंगा यात्रा निकली जिसका मकसद 26 जनवरी 1992 को श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहराना था।

लालकृष्ण आडवाणी (1993 से 1998)-हिंदुत्व और राम के नाम पर बीजेपी बहुत तेजी से आगे बढ़ रही थी। 1984 में 2 सीटों पर सिमटी महज सात वर्षों में ही देश की नंबर दो पार्टी बन गई थी। ये सब हुआ लाल कृष्ण आडवाणी की बदौलत। साल 1993 में आडवाणी एक बार फिर बीजेपी के अध्यक्ष बनते हैं। आडवाणी को ये अंदाजा था कि पार्टी को नंबर टू से नंबर 1 बनाने और इससे भी आगे प्रधानमंत्री देने के लिए कोई उदार छवि वाला चेहरा चाहिए। 1995 में वाजपेयी जी से बगैर पूछे ही उनको प्रधानमंत्री पद का उज़्मीदवार घोषित कर दिया और उनके इस ऐलान के बाद सब के सब हैरान रह गए थे।

कुशाभाऊ ठाकरे (1998 से 2000)-अटल जी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार बनाने में कामयाब रही। इसी दौर में भारतीय जनता पार्टी में पितृ पुरुष कहे जाने वाले कुशाभाऊ ठाकरे की बीजेपी के अध्यक्ष पद पर ताजपोशी होती है। मध्यप्रदेश में बीजेपी को मजबूत बनाने में कुशाभाऊ ठाकरे का बड़ा योगदान भी माना जाता है।

बंगारू लक्ष्मण (2000 से 2001)-2000 में आंध्र प्रदेश से आने वाले बंगारू लक्ष्मण बीजेपी के अध्यक्ष बनाए जाते हैं। लेकिन बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंगारू लक्ष्मण तहलका कांड में फंसते हैं जिसके बाद न सिर्फ उनकी कुर्सी गई बल्कि पार्टी की छवि पर भी सवाल उठा।

जेना कृष्णमूर्ति (2001 से 2002)-बंगारू लक्ष्मण के हटने के बाद 2001 से 2002 तक जेना कृष्णमूर्ति रहे।

वेंकैया नायडु (2002 से 2004)-भारत के वर्तमान उपराष्ट्रपति और 1977 से 1980 तक जनता पार्टी के युवा शाखा के अध्यक्ष रहे वेंकैया नायडू को साल 2002 में भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है।

लालकृष्ण आडवाणी (2004 से 2006)-साल 2004 में इंडिया शाइनिंग के बुरी तरह फेल होने के बाद एक बार फिर से बीजेपी की कमान लालकृष्ण आडवाणी के हाथों में आ जाती है। लेकिन आडवाणी के नेतृत्व में बीजेपी को 2009 के चुनाव में भी शिकस्त ही मिलती है।

इस दौरान बीजेपी ने राजनाथ सिंह से लेकर नितिन गडकरी तक अपने अध्यक्ष बदले। लेकिन पार्टी में बड़ा बदलाव मोदी लेकर आए। जिनके नाम और छवि पर बीजेपी पूर्ण बहुमत पाने में कामयाब हो पाई।

जेपी नड्डा -भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव 20 जनवरी को हुआ और कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा की इस दिन से अगले तीन साल के लिए पूर्णकालिक अध्यक्ष के तौर पर ताजपोशी हुई। जेपी नड्डा को 17 जून 2019 को पार्टी ने कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था।

नितिन नबीन बिहार के एक वरिष्ठ भाजपा नेता हैं जिनकी राजनीति में गहरी पकड़ है। पटना में जन्मे नितिन नबीन, दिवंगत नबीन किशोर प्रसाद सिन्हा के पुत्र हैं, जो भाजपा के एक सज़्मानित नेता और पूर्व विधायक थे। पिता के असामयिक निधन के बाद उन्होंने सक्रिय राजनीति में कदम रखा और धीरे-धीरे अपनी राजनीतिक पहचान बनाई। पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से प्रतिनिधि नितिन नबीन को राज्य में भाजपा के सबसे भरोसेमंद नेताओं में से एक माना जाता है। 2006 में उपचुनाव में जीत के बाद, उन्होंने 2010, 2015, 2020 और 2025 में लगातार चार विधानसभा चुनाव जीते हैं। हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में नबीन ने बांकीपुर से निर्णायक जीत हासिल की और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 51,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया। उनकी लगातार चुनावी सफलता ने पार्टी के भीतर उनकी स्थिति को और मजबूत किया है। वर्तमान में, नबीन बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में सड़क निर्माण और शहरी विकास मंत्रालय संभाल रहे हैं। यह उल्लेखनीय है कि भाजपा और जेडीयू के गठबंधन को संभालने और एनडीए की चुनावी जीत में योगदान देने का श्रेय नबीन को ही दिया जाता है। बिहार के अलावा, नबीन छज़ीसगढ़ में भाजपा के प्रभारी भी रह चुके हैं, जो पार्टी के राष्ट्रीय ढांचे में उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

कर्नाटक में मचा हड़कंप, पुलिस ऑफिस में रंगीनमिजाजी का वीडियो वायरल

बेंगलुरु २०/०१ (संवाददाता): कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को एक बड़ा और कड़ा कदम उठाते हुए ष्ठतक्करैंक के वरिष्ठ आईपीएस (ढ्ढक्र) अधिकारी रामचंद्र राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई एक आपज़िजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद की गई है, जिसमें कथित तौर पर अधिकारी को अपने सरकारी कार्यालय के भीतर विभिन्न महिलाओं के साथ आपज़िजनक स्थिति में देखा गया था। यह फैसला ष्ठतक्करैंक के अधिकारी के सरकारी ऑफिस में कथित व्यवहार को लेकर बढ़ते विवाद और लोगों के गुस्से के बीच आया। यह विवाद मुज़्यमंत्री सिद्धारमैया के ऑफिस तक पहुंच गया, जिन्होंने सोमवार को संबंधित विभाग से जानकारी ली। एक दिन बाद, राज्य प्रशासन ने सीनियर पुलिस अधिकारी को सस्पेंड करने का फैसला किया।

इस घटना ने राज्य के राजनीतिक गलियारों और पुलिस महकमे में तूफान खड़ा कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, मुज़्यमंत्री सिद्धारमैया ने जब स्वयं फुटेज देखी, तो वे बेहद गुस्से में थे। उन्होंने विभाग से जवाब तलब किया कि पुलिस विभाग के सर्वोच्च पदों पर बैठे अधिकारी ऐसी गतिविधियों में कैसे शामिल हो सकते हैं। मुज़्यमंत्री कार्यालय के हस्तक्षेप के बाद 24 घंटे के भीतर निलंबन का आदेश जारी कर दिया गया। इस घटना से सज़ाधारी कांग्रेस सरकार पर राजनीतिक दबाव भी बढ़ा, विपक्षी पार्टियां इस पर करीब से नज़र रख रही थीं कि कोई औपचारिक जांच या अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी या नहीं।

एक दिन पहले, एक वीडियो सामने आया था जिसमें ष्ठतक्क रैंक के ढ्ढक्र अधिकारी और सोने की तस्करी के आरोपी रान्या राव के पिता रामचंद्र राव को अपने सरकारी चैंबर में आपज़िजनक हालत में दिखाया गया था। वायरल हुए फुटेज में कथित तौर पर राव को ऑफिस के समय वर्दी में अलग-अलग महिलाओं को गले लगाते और किस करते हुए दिखाया गया है। सूत्रों का कहना है कि ऐसा लगता है कि ये विजुअल्स ष्ठतक्क के ऑफिस के अंदर चुपके से रिकॉर्ड किए गए हैं और इसमें अलग-अलग मौकों पर अलग-अलग कपड़ों में महिलाएं आती दिख रही हैं, जिनके साथ राव ऑफिशियल काम के दौरान करीब से बातचीत कर रहे थे।

हालांकि, राव ने इन आरोपों से इनकार किया है, वीडियो को मनगढ़ंत और झूठा卐 बताते हुए कहा, 卐यह एक मॉर्फ्ड वीडियो है। लोग मुझे निशाना बना रहे हैं।卐 राव ने इंडिया टुडे को आगे बताया 卐मैं आठ साल पहले बेलगावी में था, यह बहुत पहले की बात है। हमने इस बारे में अपने वकील से बात की है, और हम कार्रवाई कर रहे हैं। यह हमारे लिए चौंकाने वाला है। यह मनगढ़ंत और झूठा है। वह वीडियो पूरी तरह से झूठा है। मुझे नहीं पता कि कुछ हुआ है या नहीं; बिना जांच के यह सामने नहीं आएगा। इसकी जांच होनी चाहिए।

अरब सागर में उठ रहे खौलते पानी के बुलबुले, रहस्यमयी हलचल से गुजरात तट पर मचा हड़कंप, कुछ बड़ा होने की आशंका?

अहमदाबाद २०/०१ (संवाददाता): गुजरात तट से सटे अरब सागर के गहरे पानी में सोमवार को एक ऐसी हलचल देखी गई जिसने सबको स्तज़्ध कर दिया है। पालघर जिले के आपदा प्रबंधन विभाग को मछुआरों से कुछ ऐसे वीडियो मिले हैं, जिनमें समुद्र का पानी किसी विशाल कड़ाही की तरह %उबलता% हुआ दिखाई दे रहा है। मछुआरों के अनुसार, यह हलचल अचानक शुरू हुई और समुद्र के एक बड़े हिस्से को कवर कर लिया। पानी की सतह पर सफेद झाग और बड़े-बड़े बुलबुले उठ रहे थे, जो आमतौर पर पानी के नीचे भारी दबाव या गैस निकलने पर देखे जाते हैं। पालघर जिले के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मछुआरों द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो में समुद्र के बड़े हिस्से में पानी में हलचल होनेऔर बुलबुले निकलते दिख रहा है। उनके अनुसार, ऐसा लगता है मानो पानी 'उबल' रहा हो। इस असामान्य गतिविधि ने क्षेत्र में आशंकाएं बढ़ा दी हैं।

पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने इस घटना की गहन जांच की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''देखी गई हलचल अत्यंत असामान्य है और इस पर विशेष समुद्री तथा औद्योगिक एजेंसियों का तत्काल ध्यान देना आवश्यक है।'' कदम ने बताया कि यह क्षेत्र समुद्री परिवहन मार्गों और मछली पकड़ने के प्रमुख इलाकों के करीब स्थित है। उन्होंने कहा कि ऐसे में आशंका जतायी जा रही है कि यह घटना समुद्र तल से गैस रिसाव, पानी के नीचे भू-वैज्ञानिक गतिविधियों या समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों से रिसाव के कारण हो सकती है।

उन्होंने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ इस बात का पता लगाने के लिए समुद्री प्राधिकरणों के साथ समन्वय कर रहा है कि यह हलचल प्राकृतिक भू-वैज्ञानिक बदलावों का नतीजा है या किसी मानव-जनित औद्योगिक घटना का संकेत है। अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर उक्त जगह के आसपास से गुजरने वाले जहाजों और मछली पकड़ने वाली नौकाओं को अत्यधिक सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने इस पर चिंता जताते हुए जांच के लिए तीन प्रमुख थ्योरी दी हैं-

गैस रिसाव-समुद्र के नीचे प्राकृतिक गैस के भंडार हो सकते हैं, जहां से रिसाव के कारण पानी में बुलबुले उठ रहे हों।

पाइपलाइन में खराबी-इस क्षेत्र में तेल और गैस कंपनियों (जैसे ह्हत्नष्ट) की कई अंडरवॉटर पाइपलाइनें बिछी हुई हैं। आशंका है कि किसी पाइपलाइन में दरार आने से यह दबाव बन रहा हो।

भू-वैज्ञानिक गतिविधियां - समुद्र तल के नीचे भूकंपीय हलचल या ज्वालामुखी जैसी गतिविधियों के कारण भी पानी का तापमान और दबाव बदल सकता है।सबमरीन गैस लीक - सबसे बड़ी आशंका समुद्र के नीचे बिछी प्राकृतिक गैस की पाइपलाइनों में रिसाव की है। इस क्षेत्र में ह्हत्नष्ट जैसी कंपनियों का बड़ा नेटवर्क है। अगर यह रिसाव है, तो यह आग लगने या बड़े विस्फोट का कारण बन सकता है।मीथेन उत्सर्जन - वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्र तल के नीचे जमा मीथेन गैस कभी-कभी भूगर्भीय दबाव के कारण बाहर निकलने लगती है, जिससे पानी %उबलता% हुआ प्रतीत होता है।

ज्वालामुखी या विवर्तनिक गतिविधि -ज़्या समुद्र के नीचे कोई छोटा ज्वालामुखी सक्रिय हो रहा है? या फिर समुद्र तल की प्लेटों में कोई दरार आई है? पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रमुख विवेकानंद कदम ने इन भू-वैज्ञानिक बदलावों की जांच की मांग की है।औद्योगिक अपशिष्ट - एक संभावना यह भी है कि किसी बड़े जहाज या तटीय कंपनी ने भारी मात्रा में रसायनिक दबाव छोड़ा हो, हालांकि बुलबुलों की तीव्रता इसे कम संभावित बनाती है।

प्रशासनिक मुस्तैदी और चेतावनी- जहाजों के लिए अलर्ट-पालघर और गुजरात तट के बीच से गुजरने वाले सभी व्यापारिक जहाजों और नौकाओं को इस %हॉटस्पॉट% से दूर रहने को कहा गया है।एजेंसियों की जांच-समुद्री सुरक्षा एजेंसियां और तटरक्षक बल इस बात का पता लगा रहे हैं कि ज़्या उस क्षेत्र में किसी पाइपलाइन का दबाव कम हुआ है।

नितिन नवीन मेरे बॉस हैं और मैं एक कार्यकर्ता, नए अध्यक्ष की ताजपोशी पर पीएम मोदी का बड़ा बयान

नयी दिल्ली २०/०१ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में मंगलवार का दिन एक नई ऊर्जा और उत्साह लेकर आया। दिल्ली स्थित पार्टी मुज़्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में नितिन नबीन ने औपचारिक रूप से दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल नबीन को बधाई दी, बल्कि अपनी सादगी और पार्टी के प्रति समर्पण से सबका दिल जीत लिया। बीजेपी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने पर नवीन को बधाई देते हुए पीएम मोदी ने कहा, मैं नितिन नवीन को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का अध्यक्ष बनने पर बधाई देता हूं। जब पार्टी की बात आती है, तो नितिन नवीन मेरे बॉस हैं और मैं एक पार्टी कार्यकर्ता हूं।卐 उनकी इस बात पर दर्शकों ने ज़ोरदार तालियां बजाईं।

पीएम मोदी ने देश भर में कई महीनों से चल रही व्यापक आंतरिक चुनाव प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बीजेपी के संविधान का सज़्ती से पालन करते हुए जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष संगठनात्मक पद तक नेताओं का चुनाव शामिल है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया अब औपचारिक रूप से पूरी हो गई है और यह पार्टी के मजबूत लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और कार्यकर्ता-प्रथम दर्शन का प्रमाण है। उन्होंने इस प्रक्रिया में शामिल लाखों पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, यह भव्य संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया भारतीय जनता पार्टी की लोकतांत्रिक आस्था, संगठनात्मक अनुशासन और कार्यकर्ता-केंद्रित दृष्टिकोण का प्रतीक है।卐

पीएम मोदी ने आगे इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय जनता पार्टी का नेतृत्व मॉडल अपनी विरासत और जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से ताकत हासिल करता है। उन्होंने कहा, 卐मैं इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए देश भर के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं... हमारा नेतृत्व परंपरा से निर्देशित है, अनुभव से समृद्ध है, और जनसेवा और राष्ट्र सेवा की भावना के साथ संगठन को आगे बढ़ाता है।

पीएम मोदी ने पार्टी की विरासत और मील के पत्थर पर बात की। उन्होंने कहा, पिछले डेढ़ साल में, हमने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती, अटल जी की 100वीं जयंती और ऋस्स् के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। ये प्रेरणाएँ देश के लिए जीने के हमारे संकल्प को

मज़बूत करती हैं। हमारा नेतृत्व परंपरा के साथ आगे बढ़ता है, अनुभव से शक्ति प्राप्त करता है और जनसेवा की भावना से संगठन को आगे बढ़ाता है। मैं बीजेपी के सभी पूर्व अध्यक्षों को बधाई देता हूँ। आप जानते हैं कि बीजेपी संगठन के विस्तार पर उतना ही ध्यान देती है जितना कार्यकर्ताओं को बनाने पर।

प्रधानमंत्री ने पार्टी के ऐतिहासिक उदय को याद किया। उन्होंने कहा, अटल जी, आडवाणी जी और मुरली मनोहर जोशी जी के नेतृत्व में, बीजेपी ने शून्य से शिखर तक का सफर देखा। इस सफर में, वेंकैया नायडू जी और नितिन गडकरी जी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने संगठन का विस्तार किया।

राजनाथ जी के नेतृत्व में, बीजेपी को पहली बार अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिला। फिर अमित भाई के नेतृत्व में, बीजेपी ने कई राज्यों में सरकारें बनाईं और केंद्र में लगातार दूसरी बार सज़ा हासिल की। जेपी नड्डा जी के नेतृत्व में, बीजेपी पंचायत से लेकर संसद तक मज़बूत हुई और तीसरी बार सज़ा में लौटी। मैं बीजेपी के सभी पूर्व अध्यक्षों को सलाम करता हूँ।卐

एक भावुक और मज़ेदार बयान में, पीएम मोदी ने कहा, लोग सोच सकते हैं कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं, तीसरी बार पीएम बने, 50 साल की उम्र में मुज़्यमंत्री बने और सरकार के प्रमुख के रूप में 25 साल बिताए हैं। यह सब सच है, लेकिन मेरे जीवन का सबसे बड़ा गर्व यह है कि मैं एक बीजेपी कार्यकर्ता हूँ। नितिन नवीन जी मेरे बॉस हैं और मैं एक पार्टी कार्यकर्ता हूँ। नितिन नवीन जी हम सभी के अध्यक्ष हैं। उनकी ज़िज़्मेदारी सिर्फ़ बीजेपी का नेतृत्व करना नहीं है, बल्कि ह्हष्ठ सहयोगियों के साथ तालमेल बनाए रखना भी है। जब भी नितिन जी को कोई ज़िज़्मेदारी मिली, उन्होंने खुद को साबित किया। इस साल जनसंघ के 75 साल पूरे हो रहे हैं। मैं जनसंघ से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं को उनके बलिदानों के लिए नमन करता हूँ।卐

पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले 25 साल एक विकसित भारत के भविष्य को आकार देंगे। अगले 25 साल बहुत ज़रूरी हैं। यह वह समय है जब एक विकसित भारत बनाना है और यह ज़रूर बनेगा। इस अहम दौर में, नितिन नवीन जी बीजेपी की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। आज की युवा भाषा में, नितिन जी एक तरह से मिलेनियल हैं। वह उस पीढ़ी से हैं जिसने भारत में बड़े आर्थिक, सामाजिक और टेज़्नोलॉजिकल बदलाव देखे हैं। वह उस पीढ़ी से हैं जो रेडियो सुनते हुए बड़ी हुई और अब ढ्ढ का इस्तेमाल करती है। नितिन जी में युवा जोश के साथ-साथ लंबा संगठनात्मक अनुभव भी है। इससे हर बीजेपी कार्यकर्ता को फायदा होगा।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

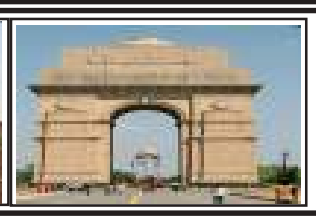

विविध समाचार

बच्चों का ब्रेन शार्प के लिए अभी से कराएं ये एक्टिविटी, फ्यूचर संवारने में मिलेगी मदद

हर माता-पिता अपने बच्चे को पढ़ाई-लिखाई में होशियार होने के साथ-साथ उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। बच्चों को फ्यूचर के लिए हमेशा तैयार और ऊंचे पोजीशन पर देखने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें सही गाइडेंस मिले। सिर्फ खेल-कूद या फिजिकली ही नहीं बल्कि जीवन के हर पड़ाव पर आने वाली मुश्किलों से लड़ने के लिए भी बच्चों को मेंटली मजबूत होना चाहिए। इसके लिए बेहद जरूरी है कि पैरेंट्स टीनएज से ही अपने बच्चों में कुछ एक्टिविटीज की आदत डालें, जिससे वह अपने लक्ष्य पर बेहतर तरीके से फोकस करने में सक्षम हो सके। ऐसा करने से फ्यूचर में सफलता प्राप्त करने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। तो चलिए जानते हैं कि पैरेंट्स को बच्चों में वो कौन सी आदत डालनी चाहिए, ताकि उन्हें फ्यूचर के लिए तैयार होने में मदद मिल सके।

रोजाना योग की आदत

बच्चों को रोजाना कुछ यागासन या मेडिटेशन आदि करवाते रहना चाहिए। इससे न कैवल फिजिकली बल्कि मेंटली स्ट्रॉन्ग होने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा उनमें बचपन से ही एरोबिक्स एक्टिविटी करने की आदत डलवाएं। यह बच्चे को लाइफटाइम के लिए हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है।

ब्रेन एक्सरसाइज

बच्चों की मेमोरी शार्प करने के लिए जरूरी है कि आप उन्हें ब्रेन एक्सरसाइज करवाते रहें। इसके लिए मार्केट में मिलने वाले गेम जैसे प्रॉब्लम सॉल्विंग पजल, सुडोकु का इस्तेमाल करवाएं। इससे बच्चे में क्रिएटिविटी क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, आपका बच्चा मुसीबत आने पर प्रॉब्लम का सॉल्यूशन भी आसानी से ढूंढ पाएगा।

टीम वर्क की आदत

टीम वर्क में काम करना हर व्यक्ति को आना चाहिए। तभी जीवन में सफलता मिलती है। सिर्फ खुद से मतलब रखने वालों को कभी भी सोशल बिहेवियर के बारे में समझ नहीं आता है। इसलिए जरूरी है कि बचपन से ही बच्चों में टीम वर्क की आदत डाल देनी चाहिए।

बच्चों में स्किल भी है जरूरी

आज की तारीख में स्किल की बहुत डिमांड है। सिर्फ किताबी कीड़ा होने से अब जीवन में आगे बढ़ पाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चों के इंटरेस्ट के अनुसार, उन्हें कोई न कोई स्किल जरूर होनी चाहिए। फिर चाहे वह कुकिंग की स्किल हो या फिर म्यूजिक या डांसिंग की। बच्चे में कोई न कोई स्किल की आदत जरूर होनी चाहिए।

लोहड़ी फंक्शन पर पंजाबी टच देने का काम करेंगे ये खूबसूरत डिजाइंस वाले सूट-सलवार

13 जनवरी को देशभर में लोहड़ी का त्यौहार मनाया जाता है जो सिख समुदाय का प्रमुख त्यौहार है। इस खास मौके पर जहां महिलाएं खूब सजती-संवरती है और तो इस दौरान वो पंजाबी लुक भी चाहती हैं। पंजाबी टच पाने के सूट-सलवार बेस्ट ऑप्शन है और इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले सलवार सूट दिखा रहे हैं जो आप लोहड़ी फंक्शन पर स्टाइल कर सकती है। इस तरह के सूट में जहां आपका लुक खूबसूरत नजर आएगा तो वहीं आपका लुक भी रॉयल नजर आएगा।

सिल्क सूट

अगर आप लाइट कलर में कुछ पहनने का सोच रही हैं तो आप इस तरह का सिल्क सूट इस खास मौके पर स्टाइल कर सकती हैं। इस दिनों इस तरह का सूट काफी ट्रेंड में है और न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इसे लोहड़ी फंक्शन पर वियर कर सकती हैं। यह सूट आप ऑनलाइन ले सकती हैं साथ ही ऑफलाइन भी आपको ये सूट 2,000 से 3,000 रुपये की कीमत में मिल जाएगा।

इस सूट के साथ आप पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी साथ ही फुटवियर में आप मोजरी स्टाइल कर सकती हैं। वहीं जूती इस आउटफिट को न्यू लुक देने का काम करेगी।

एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट

लोहड़ी फंक्शन पर रॉयल लुक पाने के लिए आप इस तरह का सूट भी स्टाइल कर सकती हैं। एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट महिलाएं काफी पसंद करती हैं और इस तरह के सूट में आपका लुक बेहद ही खूबसूरत आता है। एम्ब्रॉयडरी वर्क में आपको सूट कई सारे कलर और डिजाइंस ऑप्शन के साथ मिल जाएंगे जिन्हें आप 1,000 से 3,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस सूट के साथ अपना लुक कम्पलीट करने के लिए आप मिरर वर्क वाली ज्वेलरी स्टाइल कर सकती है। वहीं फुटवियर में आप मोजरी स्टाइल कर सकती है।

गोटा-पट्टी वर्क सूट

गोटा-पट्टी वर्क सूट भी इन दिनों काफी ट्रेंड में रहते हैं। अगर आप ब्यूटीफुल लुक चाहती है तो आप इस तरह के गोटा-पट्टी वर्क सूट स्टाइल कर सकती है। यह सूट आपको आसानी से बाजार में मिल जाएंगे साथ ही ऑनलाइन भी आप इस तरह के सूट को 2,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस सूट के साथ स्टोन वर्क वाली ज्वेलरी साथ ही फुटवियर में आप फ्लैट्स पहन सकती हैं। अगर आप कुछ न्यू ट्राई करना चाहती है इस तरह के प्रिंटेड सूट का भी चुनाव कर सकती हैं। और इस तरह का सूट आप ऑफिस की लोहड़ी पार्टी के दौरान वियर कर सकती है।

अगर आप लोहड़ी फंक्शन पर न्यू और स्टाइलिश लुक चाहती हैं तो आप ये सलवार-सूट स्टाइल कर सकती हैं जो न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है।

पुराने कपड़ों से इस तरह दें अपने सोफे को डिजाइनर लुक

आजकल लोग अपने घर को खूबसूरत लुक देने के लिए सोफा, डाइनिंग टेबल रखने लगे हैं। आमतौर पर, लोग अपने लिविंग रूम को डेकोरेट करने के लिए सोफा रखते हैं। क्योंकि सोफे रूम का खुद ब खुद एक डिफरेंट लुक क्रिएट करते हैं। लेकिन कुछ समय बाद, सोफा गन्दा होने लगता है या फिर पुराना हो जाता है, जिसकी वजह से रूम का लुक बेकार लगने लगता है। ऐसे में कई महिलाएं सोफे को ब्यूटीफुल बनाने के लिए महंगे-महंगे सोफा कवर, कुशन कवर आदि खरीदती है। लेकिन हर बार नए कवर खरीदना बजट पर भारी पड़ सकता है।

अगर आपके साथ भी कुछ ऐसा ही होता है, तो आप परेशान न हो। क्योंकि आज हम आपके लिए कुछ ऐसे आइडियाज लेकर आए हैं, जिसकी सहायता से आप अपने सोफे को बहुत कम बजट में खूबसूरत लुक दे सकती हैं। जी हां, आप अपने सोफे को डेकोरेट करने या फिर कवर बनाने के लिए घर में मौजूद पुराने कपड़ों जैसे चादर, पर्दे, साड़ी या फिर दुपट्टे आदि का इस्तेमाल कर सकती है, पर कैसे?

बेड शीट्स से बनाएं सोफा कवर

अगर आपके पास कई ऐसी बेड शीट्स हैं, जिसका इस्तेमाल आप अब नहीं करती हैं? तो आप इनसे अपने सोफे को डेकोरेट करने के लिए इस्तेमाल कर सकती है। जी हां, आप घर में खुद ही सोफा कवर बना सकती हैं। इसे बनाना बहुत ही आसान है इसके लिए बस आपको सोफे के गद्दे को चादर पर रखना है और उसी हिसाब से चादर की कटिंग करनी है। जब आपके सारे कवर कट जाए, तो आप इसके चारों कोने को सिलाई मशीन की सहायता सिल दें। बस हो गए आपके कवर तैयार आप इसपर और ब्यूटीफुल बनाने के लिए बेल भी लगा सकती है।

साड़ी से बनाएं कुशन कवर

सोफे पर हमेशा कुशन रखे होते हैं क्योंकि कुशन के बिना सोफा बेकार लगता है। इसलिए ज्यादातर महिलाएं एक सोफे पर कई कुशन कवर रखती हैं। लेकिन यह तभी अच्छे लगते हैं जब आप कुशन पर अच्छे और कलरफुल कवर डालकर रखती है। आप कुशन को बाहर से खरीदने को बजाय घर पर मौजूद साड़ी, दुपट्टे का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप कुशन के कवर बनाने के लिए कलरफुल साड़ी का इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर आप कई अलग-अलग कलर की साड़ी, कुर्ती आदि ले सकती है।

पर्दों से बनाएं सोफा डोरमैट

पर्दे बहुत महंगे होते हैं लेकिन महिलाएं अपने घर को खूबसूरत लुक देने के लिए हर दूसरे महीने बदलती हैं और पुराने पर्दे ऐसे ही रखे रह जाते हैं। लेकिन आपके पास उन्हें दोबारा इस्तेमाल करने का एक तरीका है कि आप पर्दों से सोफा डोरमैट बना सकती हैं। क्योंकि पर्दों का कपड़ा मोटा होता है और यह अधिक दिन तक खराब भी नहीं होगा। इसके लिए बस आपको पर्दों को डोरमैट की शेप का कट करना है और एक के ऊपर दूसरा पर्दा रखकर इसके बीच में फोम भर दें। बस आपका सॉफ्ट और स्टाइलिश डोरमैट तैयार है।

दुपट्टे से करें सोफे को डेकोरेट

इसके अलावा, अगर आपके पास बहुत सारे दुपट्टे हैं जो खराब हो गए है, तो आप इनसे अपने सोफे को डेकोरेट कर सकती है। आप दुपट्टे को छोटा-छोटा काटकर कवर के ऊपर बिछा सकती हैं। आप दुपट्टे की पतली बेल काटकर सोफा कवर पर या फिर कुशन कवर पर बेल की तरह लगा भी सकती हैं।

आप कपड़े से पलावर भी बनाकर अपने सोफे पर लगा सकती हैं। साथ ही, अगर आपका सोफा कहीं से फट गया है या फिर खराब हो गया है तो आप वहां पर भी कपड़े के फूल लगा सकती हैं।

जींस ही नहीं, इन आउटफिट के साथ भी खूब जंचते हैं व्हाइट स्नीकर्स

व्हाइट स्नीकर्स हर किसी के फुटवियर वार्डरोब का हिस्सा होते हैं, लेकिन जरूरी नहीं है कि आप इन्हें केवल जींस के साथ ही स्टाइल करें। व्हाइट स्नीकर्स को कई अलग-अलग आउटफिट के साथ पेयर किया जा सकता है।

व्हाइट स्नीकर्स हम सभी को काफी अच्छे लगते हैं। इन्हें अक्सर हम अपने फुटवियर वार्डरोब में शामिल करना पसंद करते हैं। यह जितने अधिक कंफर्टेबल होते हैं, उतने ही वर्सेटाइल भी हैं। इन्हें आप कई अलग-अलग ओकेजन पर कई अलग तरह के आउटफिट के साथ आसानी से पहन सकते हैं। हर बार ये आपको एक अलग लुक देते हैं और आपके स्टाइलिंग गेम को अप करते हैं। फिर चाहे आप कैजुअल कॉफी पीने जा रही हों या नाइट आउट के लिए तैयार हो रही हों। व्हाइट स्नीकर्स को पेयर करना अच्छा आइडिया हो सकता है।

अमूमन यह देखने में आता है कि लड़कियां व्हाइट स्नीकर्स को जींस या जेगिंग्स के साथ ही पेयर करती हैं, जबकि इन्हें कई अलग-अलग व बेहतरीन तरीकों से स्टाइल किया जा सकता है। आप इन्हें जींस के अलावा शॉर्ट्स यहां तक कि एक शानदार ड्रेस के साथ भी आसानी से पेयर कर सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि व्हाइट स्नीकर्स को आप अलग-अलग ओकेजन पर अलग-अलग आउटफिट के साथ किस तरह स्टाइल करें-

फ्लोरल ड्रेस के साथ करें पेयर

अगर आप एक फेमिनिन लुक में व्हाइट स्नीकर्स को स्टाइल करना चाहती हैं तो ऐसे में उसे एक फ्लोई व फ्लोरल मिडी ड्रेस के साथ पेयर करें। अगर आप चाहें तो इसके साथ एक क्रॉप कार्डिगन भी पहन सकती है। यह एक बेहद ही क्लासिक लुक है जो आपके ओवर ऑल स्टाइल को बदलकर रख देता है। आप इसके साथ एक स्ट्रॉ बैग या एक छोटा लेदर पर्स कैरी कर सकती है। वहीं, एक्सेसरीज में लेयर्ड नेकलेस स्टाइल करें।

स्कर्ट के साथ करें स्टाइल

व्हाइट स्नीकर्स स्कर्ट के साथ भी उतने ही बेहतरीन लगते हैं। आप एक प्लीटेड स्कर्ट को एक टॉप या फिर चंकी स्वेटर के साथ पेयर कर सकती हैं। यह एक कैजुअल डे आउट या ब्रंच डेट के लिए एक अच्छा ऑप्शन है। जब आप खुद को स्टाइल कर रही है तो अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए शोल्डर बैग और ओवरसाइज्ड सनग्लासेस कैरी करना ना भूलें।

शॉर्ट्स के साथ करें स्टाइल

अगर आप अपने कैजुअल लुक को भी स्टनिंग बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप डेनिम शॉर्ट्स के साथ व्हाइट स्नीकर्स को स्टाइल करें। आप एक एक डिस्ट्रेस्ड डेनिम शॉर्ट्स, एक सिंपल सफेद टी और एक ओवरसाइज्ड ब्लेजर के साथ व्हाइट स्नीकर्स को पेयर करें। यह एक रिलैक्सिंग स्टाइल है, जो आपको एक बेहद ही मॉडर्न और पॉलिश लुक देता है। आप डे आउटिंग के लिए इस लुक को कैरी कर सकती है। इसके साथ आप एक टोट बैग भी जरूर कैरी करें।

स्लिप ड्रेस के साथ करें स्टाइल

अमूमन स्लिप ड्रेस के साथ हम सभी अक्सर हील्स पहनना पसंद करती हैं। लेकिन अगर आप अपने लुक को एक ट्विस्ट देना चाहती है तो ऐसे में स्लिप ड्रेस के साथ व्हाइट स्नीकर्स और लेदर जैकेट को पेयर करें। जहां स्लिप ड्रेस एक फेमिनिन टच देती है, वहीं लेदर जैकेट आपके लुक को ट्रेन्डी बनता है। इसके साथ व्हाइट स्नीकर्स पहनकर आप अपने लुक को आसानी से बैलेंस कर सकती हैं। आप इस लुक को नाइट आउट या कैजुअल डेटाइम लुक के लिए कैरी कर सकती है। अपने स्टाइल को कंप्लीट टच देने के लिए आप इसके साथ एक छोटा क्लच और स्टेटमेंट इयररिंग भी जरूर पहनें।

कलिंग समाचार

संपादकीय

बुधवार 21 जनवरी 2026

ट्रंप का असली चेहरा सामने आया

शांति का नोबेल पुरस्कार हासिल करने की तमन्ना लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने %ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व% चलाकर वेनेजुएला पर शनिवार स्थानीय समय के अनुसार 02ः01 बजे हमला करके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी सिलिया लोरेस समेत गिर तार कर लिया और उन्हें हवाई मार्ग से अमेरिका ले आया गया। अमेरिकी विमान से मादुरो को जब उतारा जा रहा था तो उनकी आंखों पर पट्टी बंधी थी और हथकड़ियां भी लगी थीं। यह दृश्य देखकर इतिहास खुद को दोहराता है, वाली मिसाल याद आ गई। लेकिन यह नहीं पता था कि इतिहास इतनी जल्दी दोहराया जाएगा। अभी 21वीं सदी शुरु ही हुई थी कि इराक पर अमेरिका ने विनाशकारी हथियारों की तलाश के नाम पर आक्रमण किया और तत्कालीन शासक सद्दाम हुसैन को गिर तार कर फांसी पर भी चढ़ा दिया। फिर पता चला कि ऐसे कोई हथियार इराक में थे ही नहीं। शायद अमेरिका को हथियारों की तलाश थी भी नहीं, उसे इराक के प्राकृतिक संसाधनों का कब्जा चाहिए था, जो उसे मिल गया। यही खेल अब वेनेजुएला में खेला गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने निकोलस मादुरो पर गलत तरीके से सत्ता हथियाने का आरोप लगाने के साथ ड्रग्स तस्करी के गंभीर आरोप भी लगाए हैं और उनका कहना है कि अब मादुरो को पत्नी समेत अमेरिका की कड़ी न्याय व्यवस्था का सामना करना पड़ेगा। मानो सारी दुनिया का ठेका अमेरिका को मिल चुका है कि उसका राष्ट्रपति जब चाहे किसी संप्रभु देश पर आक्रमण कर दे और वहां के नेता को अमेरिकी कटघरे में खड़ा कर दे। और अंतरराष्ट्रीय कानूनों, स्त्री अधिकार को ठेंगा दिखाते हुए राष्ट्र प्रमुख के साथ उनकी पत्नी को भी गिर तार कर ले। चिंता की बात यह है कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जिन उद्देश्यों के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था को बनाया गया था, वह पूरी तरह नख–दंत विहीन और लाचार बन चुकी है। घर के अशक्त बूढ़े बुर्जुग उपद्रवी बच्चों को मत लड़ो–मत लड़ो जैसी लाचारगी भरी नसीहत देते हैं, वैसा ही हाल संरा का हो चुका है। पूरी दुनिया में अमेरिका समर्थित हमले हो रहे हैं और संरा बयान जारी करने से आगे बढ़ ही नहीं पा रहा है। इससे बेहतर है कि संरा को मिटा कर नए सिरे से कोई ऐसी वैश्विक संस्था बनाई जाए, जो वाकई दुनिया में शांति स्थापना का काम कर सके। लेकिन इसकी पहल कौन करेगा ये भी विचारणीय है। जब भारत में प.जवाहरलाल नेहरू जैसे नेता थे, जिन्होंने गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत दिया तो तीसरी दुनिया के देशों को अपने अस्तित्व और स मान को बचाए रखने के लिए नया मंच मिला। आज के भारत का हाल तो ऐसा है कि ट्रंप पचासों बार पाकिस्तान के समकक्ष हमें रखते हुए युद्धविराम के दावे कर चुके हैं और प्रधानमंत्री मोदी माई डियर फ्रेंड ट्रंप का नाम ही जपते रहे। अब भी वेनेजुएला के घटनाक्रम पर नरेन्द्र मोदी की कोई सीधी टिप्पणी देखने नहीं मिली है, बल्कि एस जयशंकर का बयान आया है कि हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि मुद्दों का समाधान बातचीत के ज़रिए और शांतिपूर्ण तरीक़े से किया जाए, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। भारत को बताना चाहिए कि सभी संबंधित पक्षों से उसका तात्पर्य क्या है। क्यों मोदी पहले चीन का नाम लेने से कतरा रहे थे और अब अमेरिका को सीधे नहीं कह रहे कि उसका इस तरह आक्रमण करना गलत है। मान लें कि निकोलस मादुरो ने अपने देश में कुछ गलत किया है या वैश्विक स्तर पर किसी अपराध में संलग्न हैं, तो उन पर कार्रवाई के लिए उनके अपने देश की न्याय व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय अदालत है। ट्रंप यहां किस हैसियत से घुसे हैं। ब्राज़ील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा ने बिल्कु ल ठीक कहा है कि वेनेजुएला के नेता को हिंसक तरीक़े से पकड़ना पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक और बेहद ख़तरनाक मिसाल है। क्यूबा ने कहा कि वेनेजुएला पर किए गए आपराधिक हमले की निंदा करता है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुरंत कार्रवाई की मांग करता है। रूस ने भी इस हमले को गलत बताया है वहीं चीन ने कहा है कि एक संप्रभु देश के ख़िलाफ़ अमेरिका के खुलेआम बल प्रयोग और उसके राष्ट्रपति के ख़िलाफ़ कार्रवाई से वह बहुत हैरान है और इसकी कड़ी निंदा करता है।

स्त्रियों के प्रति कुंद होतीं जन संवेदनाएं

कनुप्रिया

एक समय था जब निर्भया के लिये पूरा देश हिल उठा था, उसके प्रति इंसाफ़ के लिये सड़कों पर आ गया था, सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया गया था। यहां तक कि कांग्रेस के सत्ताच्युत होने में निर्भयाकांड एक बड़ा कारण बन गया था, जबकि सरकार ने तुरंत उसका अपने ख़र्च पर इलाज कराया, आरोपियों को गिर तार किया, फांसी हुई। अभी उत्तराखंड में अंकिता भंडारी के लिये न्याय की लड़ाई लड़ी ही जा रही है, उन्नाव की पीड़िता के घाव सूखे नही हैं, हाथरस की पीड़िता के साथ हुआ अन्याय आवाज़ की तलाश में ही है कि कानपुर से 14 साल की लड़की के साथ बलात्कार की ख़बर आ गई, इस बार बलात्कारी एक यू ट्यूबर और सब इंस्पेक्टर है। सड़क से बच्ची का अपहरण करके, 2 घण्टे उसके साथ गैंगरेप करने के बाद उसे बुरी हालत में घर के बाहर फेंक दिया गया। पुलिस ने पहले तो प्राथमिकी दज़ ही नहीं की, बाद में सीनियर पुलिस अफसर तक पीड़िता के परिजन पहुंचे तो रिपोर्ट दज़ हुई तब तक बलात्कारी पुलिस वाला फ़रार हो गया।

दुखद ये भी है कि अब ऐसी ख़बरें आती हैं तो हम चौंकते भी नहीं, ये हमारी चेतना को झिंझोड़ता ही नहीं। ऐसी घटनाओं का होना मानो हमारे सामाजिक दैनिक दिनचर्या में शामिल हो गया है। आप गूगल करेंगे तो हर दिन स्त्रियों, बच्चियों के प्रति जघन्य अपराध की कोई न कोई ख़बर मिल ही जायेगी और सबसे ऊपर जिस प्रदेश का नाम मिलेगा वो अपने आप में एक मिनी हिन्दू राष्ट्र है। वहां धर्म के सबसे बड़े ठेकेदारों की डबल इंजन सरकार है।

दरअसल पिछले 11 सालों में जिस योजना पर सरकार ने सबसे ज़्यादा काम किया है वो है बलात्कारी बचाओ योजना। बल्कि जिस शिद्दत से बलात्कारियों को प्रोत्साहन दिया गया है, इसे बलात्कारी बनाओ योजना भी कहें तो अतिशयोक्ति नही होगी, दुनिया में इसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। बलात्कारियों के प्रोत्साहन के लिये उन्हें लगातार ज़मानत दी जाती है (हाल ही में बलात्कारी बाबा आसाराम को 10 महीने में चौथी बार ज़मानत मिली और राम रहीम को 15 वीं बार पैरोल)। जेल से बाहर आने पर बलात्कारियों का फूल मालाओं से स्वागत किया जाता है, कभी उनके पक्ष में भगवा झंडों के साथ जुलूस निकाले जाते हैं। कभी उन पर क़ानून की धार पूरी तरह कुंद हो जाती है, वो ऐसी मार करता है कि अपराधी को चोट ही नहीं लगती। मसलन महिला खिलाड़ियों के यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण शरण सिंह के ख़िलाफ़ भारतीय दंड संहिता की धारा 354 (महिला की लज्जा भंग करना) और 354ए (लैंगिक उत्पीड़न) के तहत %चार्ज फ्रेम' हुए, मगर जांच एजेंसियों ने उन्हें कभी गिर तार ही नहीं किया, 2023 से वो ज़मानत पर हैं, उनकी जमानत का कभी विरोध भी नहीं हुआ। मीडिया ज़्यादातर बलात्कार की घटनाओं पर चुप रहता है, चर्चा नहीं करता, मानो यह सामाजिक चिंता का विषय ही नहीं।

उधर यौन शोषण के प्रति न्यायालयों का रवैया ये है कि न्याय के लिये पीड़िताओं को न्यायालयों के ख़िलाफ़ धरना देने की नौबत आ जाती है। पिछले ही साल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक फ़ैसले में कहा था कि किसी नाबालिग लड़की के स्तन पकड़ना, उसके पजामे की डोरी तोड़ना और कपड़े उतारने का प्रयास करना, बलात्कार की कोशिश साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। ऐसी कई शर्मनाक और महिलाओं को न्याय के लिये हतोत्साहित करती हुई टिप्पणियां पिछले कुछ सालों में विभिन्न प्रदेशों के न्यायालयों ने की हैं, जो समाज में बलात्कारियों को पर्याप्त प्रोत्साहन देती हैं।इस सबके बाद त्रासदी ये है कि पीड़िताओं के ख़िलाफ़ ही सोशल मीडिया पर उन्हें मानसिक और भावनात्मक स्तर पर तोड़ने और उनके संघर्ष के प्रति समाज के भीतर नकारात्मक नज़रिया बनाने के लिए अभियान चलाये जाते हैं। मसलन महिला पहलवानों के ख़िलाफ़ ऐसा ही अभियान चलाया गया था कि उनका आंदोलन राजनीतिक है, उनके यौन शोषण की बात झूठ है और आरोपी बिल्कुल निर्दोष है इत्यादि इत्यादि। अब एक अभियान उन्नाव की पीड़िता के विरुद्ध चलाया जा रहा है, एआई के ज़रिए उनके झूठे वीडियो बनाए जा रहे हैं जिनसे ज़ाहिर हो कि वह स्वयं एक बेशरम महिला है और उसने जानबूझ कर आरोपी कुलदीप सेंगर को फंसाया है। तिस पर करेले पर नीम चढ़ा यह कि खुद सरकार बहादुर यौन शोषकों और बलात्कारियों के लिये वोट मांगते हैं, उनके साथ तस्वीरें खिंचवाते हैं, उनको सोशल मीडिया पर फॉलो करते हैं और उनके ख़िलाफ़ मामलों पर पूरी तरह चुप्पी मार जाते हैं। मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए जघन्य यौन अपराधों पर सरकार ने जिस तरह ख़ामोशी इ तयार की उससे साबित हुआ कि सरकार किस क़दर महिलाओं के प्रति संवेदनहीन है। ज़्यादा जानें सोशल मीडिया परामर्श युवा मनोरंजन खेल उपकरण मु य शीर्षक विशेष रिपोर्ट सदस्यता बॉलीवुड समाचार कविता संग्रह ताज़ा खबरें अपडेट राजनीतिक विश्लेषण पुस्तक साक्षात्कार कौशल प्रशिक्षण आख़िर इससे अधिक प्रोत्साहन बलात्कार को और कैसे दिया जा सकता है? एक बलात्कारी समाज बनाने में सरकार की तरफ़ से कोई कमी रही हो तो बताइए। अब इतना ही बचता है कि सरकार द्वारा सार्वजनिक मंचों पर यौन शोषकों को समाज के मॉडल की तरह प्रस्तुत किया जाए ताकि युवा पीढ़ी उनसे प्रेरणा ले सके। उनके नाम पर पुरस्कार बांटे जायें, उनकी प्रशंसा में पुस्तकें लिखी जायें, सड़कों और स्कूलों के नाम उनके नाम पर रखे जायें, उन्हें पद्म स मान से स मानित किया जाये, ताकि एक स पूर्ण बलात्कारी समाज का लक्ष्य यथाशीघ्र प्राप्त किया जा सके, उसे उपलब्धि की तरह दिखाया जा सके। और ये सब हो रहा है घोर सनातनी, धार्मिक सरकारों के राज में, जो हिंदू राष्ट्र बनाने का दंभ भरती हैं और मंदिरों की प्रतिष्ठा पर्व मना–मना कर ही गर्वित हुए जा रही है। धार्मिकता का आलम ये है कि धर्म के सबसे ऊंचे पायदान पर बैठे संत और बाबा लोग स्त्रियों के ख़िलाफ़ अनर्गल बयान देते हैं, जिससे उनकी गरिमा को कड़ी चोट पहुंचती है। मसलन धीरेन्द्र शास्त्री का एक शर्मनाक बयान जिसमें उसने बिना सिंदूर की मांग वाली महिलाओं को ख़ाली प्लॉट की संज्ञा दी गई, जिस पर कोई भी क़ब्ज़ा कर सकता है। बागेश्वर धाम में लड़कियों की तस्करी के आरोप लगे तो बिना जांच किये आरोप लगाने वाले प्रोफेसर के ख़िलाफ़ ही रिपोर्ट दज़ कर ली गई। बाबा अनिरुद्ध आचार्य ने अपने सत्संग में कहा कि 25 साल की लड़की 4 जगह मुंह मार चुकी होती है, बाबा प्रेमानंद का कहना है कि सौ में से अब 2–4 लड़कियों ही पवित्र होती होंगी। ज़्यादा जानें साक्षात्कार कौशल प्रशिक्षण प्रादेशिक समाचार विविध समाचार युवा मनोरंजन ई–पेपर सदस्यता सोशल मीडिया परामर्श राजनीति समाचार डिजिटल मार्केटिंग सेवाएँ साक्षात्कार संग्रह बजट संबंधित वित्तीय सेवाएँ ये बोल–वचन तब हैं जब देश के अधिकतर बाबाओं पर यौन शोषण के गंभीर आरोप हैं। यहां तक कि सेलिब्रिटी बाबा सदुरु के आश्रम में भी बच्चों के यौन शोषण के आरोप कई अभिभावकों ने लगाए हैं। मगर धर्मान्ध लोगों की सोचने–समझने की शक्ति इस क़दर छीन लेता है कि फिर भी ये तथाकथित धार्मिक गुरु पूज्य बने रहते हैं। भक्तों में उनकी पद धूलि लेने के लिये ऐसी भगदड़ मचती है कि लोग दब–कुचल कर जान से हाथ धो बैठते हैं, जैसा कि हाथरस के एक गांव में सूरजपाल उफ़ 'भोले बाबा के मामले में हुआ। सच तो ये है कि धर्म एक ऐसा गटर हो चुका है जिसमें समाज के सबसे सड़े हुए, गंदे तबके को प्राणवायु मिलती है, उसके गुनाहों को संरक्षण मिलता है। धर्म, अपराधियों और यौन शोषकों की अंतिम शरणस्थली बन चुका है, तभी तो धीरेंद्र शास्त्री की सनातन एकता यात्रा में अश्लील कंटेंट और घोटालों की आरोपी शिल्पा शेट्टी और एकता कपूर शामिल होकर स्याह से सफ़ेद हो जाती हैं। एक समय था जब निर्भया के लिये पूरा देश हिल उठा था, उसके प्रति इंसाफ़ के लिये सड़कों पर आ गया था, सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया गया था। यहां तक कि कांग्रेस के सत्ताच्युत होने में निर्भयाकांड एक बड़ा कारण बन गया था, जबकि सरकार ने तुरंत उसका अपने ख़र्च पर इलाज कराया, आरोपियों को गिर तार किया, फांसी हुई और राहुल गांधी ने निर्भया के भाई को पढ़ाने लिखाने और पायलट बनाने में निजी तौर पर मदद की। मगर इन सबसे भी जनता के भीतर आक्रोश कम नहीं हुआ था। आज उसी देश की जनता की स वेदनाएं स्त्रियों के प्रति मानो कुंद हो गईं, जबकि देश की जनता पहले से ज़्यादा धार्मिक हैं, देश में पहले से कहीं ज़्यादा मंदिर बन रहे हैं और धार्मिक प्रवचन हो रहे हैं। मगर स्त्रियों पर, मासूम बच्चियों पर यौन शोषण, बलात्कार और हत्या की ख़बरें आती हैं और चली जाती हैं। जनता आक्रोशित नहीं होती, मानो हिन्दू राष्ट्र के लिये स्त्रियों की अस्मिता और गरिमा की बलि स्वीकार्य है, बल्कि ऐसा होना उसने सामान्य मान लिया है।

धार्मिक जलसों का शोर और सर्दी के सितम से मरते लोग

अनिल जैन

शीतलहर, बाढ़ और भीषण गरमी जैसी प्राकृतिक आपदाएं कोई नई परिघटना नहीं है। यह तो पहले से आती रही है और आती रहेंगी। इन्हें रोका नहीं जा सकता। रोका जा सकता है तो इनसे होने वाली जान–माल की तबाही को, जो सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र की ईमानदार इच्छाशक्ति से ही संभव है। ताजा शीतलहर और उससे होने वाली मौतें हमें बता रही हैं कि जब मौसम के हल्के से विचलन का सामना करने की हमारी तैयारी नहीं है। सरकारी स्तर पर धार्मिक जलसों और विभाजनकारी भाषणों के बीच इस समय देश के विभिन्न इलाकों में शीतलहर कहर बरपा रही है, जिससे हर साल की तरह देश के विभिन्न इलाकों से लोगों के मरने की खबरें भी आ रही हैं। अब तक 400 से ज्यादा लोग सर्दी की ठिठुरन से मौत की नींद सो चुके हैं। वैसे इस तरह की खबरें आना कोई नई बात नहीं है। कहीं भूख और कुपोषण से होने वाली मौतें तो कहीं गरीबी और कर्ज के बोझ से त्रस्त किसानों और छोटे कारोबारियों की खुदकुशी और कहीं जातीय व सांप्रदायिक हिंसा में होने वाली मौतों के जारी सिलसिले के बीच हर साल ही सर्दी की ठिठुरन, लू के थपेड़ों और बारिश–बाढ़ से भी लोग मरते ही रहते हैं।

मौसम की अति के चलते असमय होने वाली ये मौतें हमारे उस भारत की नग्न सच्चाइयां हैं, जिसके बारे में दावा किया जाता है कि वह तेजी से विकास कर रहा है और जल्द ही दुनिया की एक आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। ये सच्चाइयां सिर्फ हमारी सरकारों के शाइनिंग इंडिया, भारत निर्माण न्यू इंडिया स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया% %मैक इन इंडिया% जैसे हवा–हवाई कार्यक्रमों और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हो जाने जैसे गुलाबी दावों की ही खिल्ली नहीं उड़ाती हैं, बल्कि व्यवस्था पर काबिज लोगों की नालायकी और संवेदनहीनता को भी उजागर करती हैं।

वैसे सर्दी हमारे नियमित मौसम चक्र का ही हिस्सा है। कड़ाके की सर्दी इसका हल्का सा विचलन भर है। सर्दी और भीषण सर्दी अंत में हमें कई तरह से फायदा ही पहुंचाती है। सबसे बड़ी बात है कि कड़ाके की सर्दी हमें आश्वस्त करती है कि ग्लोबल वार्मिंग उतनी सन्निकट नहीं है, जितना कि अक्सर हम मान बैठते हैं। मौसम की मौजूदा अति भी हमारे लिए कोई नई बात नहीं है। हर कुछ साल के बाद हमारा इससे सामना होता रहता है– कभी सर्दी में, कभी गरमी में तो कभी बारिश में।

ज्यादातर भारतीय इस मायने में खुशनसीब हैं कि उन्हें मौसम की विविधताएं देखने को मिलती हैं। अन्यथा दुनिया में ऐसे कम ही इलाके हैं जहां हर मौसम का मज़ा लिया जा सके। प्रत्येक मौसम अपने रौद्र रूप में भी सुंदर होता है, बशर्ते कि उसकी मार से लोगों को बचाने के इंतज़ामात हों। दुनिया में संभवतः भारत ही ऐसा देश है, जहां हर मौसम की अति होने पर लोगों के मरने की खबरें आने लगती है। हकीकत यह है कि लोग मौसम की अति से नहीं मरते, वे मरते हैं अपनी गरीबी से, अपनी साधनहीनता से और व्यवस्था तंत्र की नाकामी या लापरवाही की वज़ह से। यूरोप के देशों में सरकारें मौसम की अति का मुकाबला करने के चाक–चौबंद इंतजाम करती हैं, इसलिए वहां लोग हर मौसम का तरह–तरह से लुत्फ़ उठाते हैं। हमारे देश में भी खाया–अघाया तबका ऐसा ही करता है, जिसके पास हर मौसम की अति का सामना करने और उसका लुत्फ उठाने के पर्याप्त साधन उपलब्ध हैं।

भारत के ज्यादातर हिस्सों में यूरोप जैसी ठंड नहीं पड़ती, लेकिन हमारे यहां जब हिमालय परिवार की पहाड़ियों पर गिरने वाली बर्फ से मैदानी इलाकों में शीतलहर चलती है तो देश के विभिन्न इलाकों में सर्दी की ठिठुरन से होने वाली मौतों के आंकड़े आने लगते हैं। अभी जो शीतलहर जारी है, वह सिर्फ हिमालयी प्रदेशों और गंगा–यमुना के मैदानों तक ही सीमित नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और रेगिस्तानी राजस्थान के साथ ही महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और सुदूर छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा तक ठंड से ठिठुर रहे हैं। सर्दी के इस सितम से सामान्य जनजीवन बुरी तरह गड़बड़ा गया है। देश के विभिन्न इलाकों से बेघर लोगों के मरने की खबरें आ रही हैं। हालांकि बड़े शहरों से निकलने वाले समाचारपत्रों में अब सर्दी से होने वाली मौतों की खबरों को जगह मिलनी लगभग बंद हो गई है। कुछ साल पहले तक ऐसा नहीं था। तब अखबारों में नियमित खबरें छपती थी और हाई कोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट उन खबरों का संज्ञान लेकर संबंधित राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों से जवाबतलब करते थे। उन्हें साधनहीन लोगों के उचित इंतज़ाम करने के निर्देश देते थे। अब सरकारों का मीडिया प्रबंधन तंत्र ऐसी खबरों को छपने से रोकने मे सफल होने लगा है। यही वजह है कि अब कुछ गिने–चुने अखबारों में ही सर्दी से लोगों के मरने की खबरें छपती हैं। टेलीविजन चैनल तो सुबह से रात तक हिंदू–मुसलमान करने में ही व्यस्त रहते हैं। अगर थोड़ी फुरसत मिलती भी है तो उनके लिए अपने दर्शकों को यह बताना ज्यादा जरूरी होता है कि फलां अभिनेत्री कब शादी करने वाली है, फलां अभिनेत्री कब मां बनने वाली है और किस अभिनेत्री का किस अभिनेता से तलाक होने वाला है या फिर वे यह बताते हैं कि लोग सर्दी का लुत्फ़ लेने के लिए क्या–क्या कर रहे हैं और कहां–कहां जा रहे हैं।

सरकारी एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हर साल औसतन 800 से ज्यादा लोग सर्दी के सितम से मरते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक साल 2015 में 1149 लोगों की मौत हुई थी। हकीकत यह है कि अगर समूचे भारत के आंकड़े इकट्ठे किए जाएं तो हर साल सर्दी से मरने वालों की सं या हजारों में पहुंचती है। ज्यादातर मौतें बड़े शहरों और महानगरों में होती हैं। जो मरते हैं, उनमें से ज्यादातर बेघर होते हैं। ऐसे लोग काम की तलाश में दूरदराज़ के इलाकों से अपने ही राज्य में या दूसरे राज्यों के बड़े शहरों या महानगरों में जाते हैं, ताकि मेहनत–मजदूरी कर अपने परिवार के जिंदा रह सकने लायक कुछ कमा सकें। मौसम कोई भी हो, जब भी उसकी अति दरवाजे पर दस्तक देती है तो हमारी सारी व्यवस्थाओं की पोल का पिटारा खुलने लगता है। फिलहाल सर्दी की बात की जाए तो हमेशा की तरह इस बार भी सबसे ज्यादा पोल खुली है पूर्वानुमान लगाने वाले मौसम विभाग की। बारिश का मौसम खत्म होते ही हमें बताया गया था कि इस बार सर्दी कम पड़ेगी। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चर्चाओं के बीच इस भविष्यवाणी पर किसी को भी हैरानी नहीं हुई थी, परन्तु जैसे ही सर्दी ने अपने तेवर दिखाने शुरू किए तो फिर मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि यह कड़ाके की ठंड चंद दिनों की ही मेहमान है। जल्द ही मौजूदा उत्तर पश्चिमी हवाओं का रुख बदलेगा और तापमान सामान्य के करीब पहुंच जाएगा, पर ऐसा नहीं हुआ। ज़्यादा जानें युवा मनोरंजन समाचार पत्र वितरण सेवा विदेश यात्रा योजनाएँ प्रादेशिक समाचार हिंदी भाषा शिक्षण मनोरंजन पत्रिका खेल उपकरण संपादकीय लेख सोशल मीडिया परामर्श कविता संग्रह सिर्फ मौसम विभाग ही नहीं, बाकी सरकारी महकमों का भी यही हाल है। फुटपाथों, रेलवे स्टेशनों और भूमिगत पारपथों पर रात गुजारने वाले बेघर लोगों के लिए रैन बसेरों की व्यवस्था अभी भी कई जगह अधूरी है या बिल्कुल ही नहीं है, जबकि सुप्रीम कोर्ट पूर्व में कई बार इस मामले में राज्य सरकारों को फटकार लगाते हुए पु ता बंदोबस्त करने के निर्देश दे चुका है। जहां रैन बसेरों की व्यवस्था करना संभव नहीं है, वहां अलाव जलाने के लिए लकड़ी मुहैया कराई जाती है, लेकिन यह भी नहीं हो पा रहा है। दरअसल शहरी और अर्द्ध शहरी इलाकों में मौसम की मार से लोगों के मरने के पीछे सबसे बड़ी वजह है शहरी नियोजन में सरकारी तंत्र की अदूरदर्शिता। जब से आवासीय कॉलोनियों की बसाहट के मामले में विकास प्राधिकरणों और गृह निर्माण मंडलों के बजाय निजी भवन निर्माताओं और कॉलोनाइज़रों का दखल बढ़ा है, तब से रोज कमाकर रोज खाने वालों और बेघर लोगों के लिए आवासीय योजनाएं हाशिए पर खिसकती गई हैं। करोड़ों लोग आज भी फुटपाथों, रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर और टाट या प्लास्टिक आदि से बनी झोपड़ियों में रात बिताते हैं। बहुत से लोगों के पास तो पहनने को गरम कपड़े या ओढ़ने को रजाई–कंबल तो दूर तापने को सूखी लकड़ियां तक उपलब्ध नहीं है। ऐसे लोगों को मौसम की मार से बचाने के लिए अदालतें हर साल सरकारों और स्थानीय निकायों को लताड़ती रहती हैं, लेकिन सरकारीतंत्र की मोटी चमड़ी पर ऐसी लताड़ों का कोई असर नहीं होता है। शीतलहर, बाढ़ और भीषण गरमी जैसी प्राकृतिक आपदाएं कोई नई परिघटना नहीं है।

विविध समाचार

सिरसा में एक किलो 526 ग्राम अफीम सहित युवक गिरफ्तार

सिरसा २०/०१ (संवाददाता): हरियाणा के सिरसा जिला की एंटी नारकोटिक सेल टीम ने गश्त व चेकिंग के दौरान शहर की पुरानी हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी से एक युवक को एक किलो 526 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है । आरोपी युवक के खिलाफ थाना शहर सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की है। नारकोटिक्स सेल के प्रभारी सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान रामचलितर कुमार उर्फ रितेश कुमार पुत्र बाबू चन्द निवासी गांव कलवन, थाना आमस, तहसील दरिओरा,जिला गया (बिहार) हाल किराएदार पुरानी हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी सिरसा के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा की टीम पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सिरसा की तरफ जा रहे थी। इसी दौरान गली में एक युवक अपने हाथ में प्लास्टिक का थैला लिए हुए आता दिखाई दिया। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त युवक को काबू कर राजपत्रित अधिकारी डीएसपी आदर्शदीप सिंह की मौजूदगी में उसके हाथ में लिए प्लास्टिक थैला की तलाशी ली तो उसके कब्जा से करीब तीन लाख रुपए की एक किलो 526 ग्राम अफीम बरामद हुई। प्रारम्भिक पूछताछ मे पकड़े गए युवक ने बताया कि उक्त अफीम झारखंड का कोई व्यक्ति दे कर गया था और उक्त अफीम को सिरसा व आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई किया जाना था। उन्होने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक के खिलाफ थाना शहर सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई। इसको अदालत में पेश कर रिमांड लिया जाएगा और रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से पूछताछ कर अफीम तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में नाम पता मालूम कर उन्हें भी शीघ्र ही गिरफ्तार किया जाएगा।

पंचकूला आत्महत्या केस : '5 मिनट में, मैं भी मर जाऊंगा' मरने से पहले चश्मदीद को बताई थी सुसाइड की वजह

पंचकूला २०/०१ (संवाददाता): हरियाणा के पंचकूला स्थित सेक्टर–27 में सात लोगों के शव मिलने पर आत्महत्या की आशंका जताई गई थी। अब इस मामले में चश्मदीद पुनीत राणा के बयान ने इस आशंका को सच में तब्दील कर दिया है। चश्मदीद के अनुसार, कर्ज होने की वजह से परिवार के सभी लोगों ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। मंगलवार को मीडिया से बातचीत के दौरान चश्मदीद पुनीत राणा ने बताया, "मेरे घर के पास एक गाड़ी खड़ी थी जिस पर टावर लगे हुए थे। जब हम कार के पास आए और अंदर झांककर देखा तो कुछ लोग गाड़ी के अंदर लेटे हुए थे। हमने उनसे पूछा कि वे वहां क्यों लेटे हुए हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्हें कोई होटल नहीं मिल रहा है। इस पर मैंने उनसे कहा कि वे गाड़ी वहां से हटा दें, या फिर दूसरी जगह पार्क करें।" उसने आगे कहा, "इस दौरान मैंने देखा कि गाड़ी के अंदर सभी एक–दूसरे पर गिरे हुए थे। मैंने अपना टॉर्च और फोन चालू किया और देखा कि सभी ने एक–दूसरे पर उल्टी कर रखी थी। कार के अंदर से बहुत तेज बदबू आने पर मैंने प्रवीण मित्तल से पूछा और बाहर आने के लिए कहा। गाड़ी से बाहर आने के बाद मैंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। जब वह गाड़ी से बाहर निकला और संतुलन खोने के बाद नीचे गिर गया। उसने मुझसे कहा कि 5 मिनट में, मैं भी मर जाऊंगा। मेरे ऊपर कर्जा बहुत ज्यादा हो गया था। रिश्तेदारों ने भी मदद करने से इंकार कर दिया। इसीलिए, हम सभी ने जहर खा लिया है। चश्मदीद के अनुसार, इतना कहने के बाद वह भी मर गया। हालांकि, उसे अस्पताल ले जाया गया था। लेकिन, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।" बता दें कि मृतक की पहचान देहरादून के प्रवीण मित्तल के रूप में हुई है। वह अपने माता–पिता, पत्नी और तीन बच्चों के साथ एक धार्मिक आयोजन के लिए पंचकूला आया था। मृतक प्रवीण मित्तल के ससुर ने कहा, "मुझे कुछ नहीं पता। मुझे यह भी नहीं पता कि वह कब आया और कब चला गया। हमसे जितनी मदद हो सकती थी हमने की। वह ब्याज पर पैसे उठाता था। देहरादून में गाड़ी चलाने का काम करता था। मृतक की साली ने बताया कि वह पहले पंचकुला में ही रहते थे। लेकिन, कई वर्षों पहले देहरादून शिफ्ट हो गए थे।"

युवा समाजसेवी को पुलिस ने बेरहमी से पीटा, एसपी ने डीएसपी ऐलनाबाद को सौंपी जांच

सिरसा २०/०१ (संवाददाता): हरियाणा के सिरसा जिला के नाथूसरी चोपटा थानार्गत गांव निर्बाण के पर्यावरण प्रेमी व नशे के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले युवा समाजसेवी अशोक कुमार को बेरहमी से पुलिस ने ना सिर्फ पीटा बल्कि उसकी पत्नी के साथ भी आपत्तिजनक व्यवहार किया गया। पीडिता सुनीता रानी अपने पति अशोक कुमार के साथ हुई बर्बरता को लेकर ग्रामीणों के साथ पुलिस अधीक्षक (एसपी) डा मयंक गुप्ता से मिली और न्याय की गुहार लगाई। एसपी ने मामले की सुनवाई के बाद जांच का जिम्मा डीएसपी ऐलनाबाद के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को सौंप दिया है। पुलिस की बर्बरता के शिकार अशोक कुमार का सिरसा के नागरिक अस्पताल में उपचार चल रहा है। उपचाराधीन अशोक कुमार व उनकी पत्नी सुनीता देवी ने मीडिया को बताया कि वे गांव में एक छोटी सी परचून की दुकान के सहारे जीवन बसर कर रहे हैं। अशोक कुमार गांव में पौधारोपण के जरिए लोगों में पर्यावरण प्रेम की अलख जगा रहे हैं, वहीं जरूरतमंदों की मदद के लिए भी हर समय तत्पर रहते हैं। अशोक ने कई जरूरतमंद परिवार की शादियां भी करवा चुके हैं। अशोक का आरोप है कि उनका पड़ोसी सुरेश व उसके कुछ दोस्त उनकी दुकान मंगल करने के बाद रात को वहां बैठकर नशे का सेवन करते हैं। उसने कई बार सुरेश को ऐसा करने से रोका, पर वह नहीं माना। गत 22 मई को इसी बात को लेकर सुरेश का उसके साथ झगडा किया। इसपर उसने 112 नंबर पर डायल कर पुलिस बुलाई, तो उन्होंने समझा बुझाकर मामला निपटा दिया। मगर अर्धरात्रि के बाद कुछ पुलिस कर्मी जताते हुए गांव के सरपंच या चौकीदार को मौके पर बुलाने की बात कही, तो सब इंस्पेक्टर पूनम चंद ने कहा कि सरपंच व चौकीदार हमसे बड़े हैं क्या, और उसे जबरन घसीटते हुए गाड़ी में डालकर चोपटा थाने ले गए। अशोक कुमार का आरोप है कि थाने में सब इंस्पेक्टर पूनम चंद, सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार व अन्य पुलिसकर्मियों ने पूनम चंद सब इंस्पेक्टर, विनोद कुमार सब इंस्पेक्टर व अन्य पुलिस कर्मी सुरेश के साथ उसके घर जबरन घुस आए और आते ही उन्होंने मेरी पत्नी सुनीता के साथ आपत्तिजनक हरकत शुरू कर दी और उसे भी थप्पड़ मारे। अशोक ने बताया कि जब उसने विरोध उसकी थर्ड डिग्री बर्बरतापूर्वक बैल्ट व डंडों से बुरी तरह पिटाई की। उसने काफी हाथ पांव जोड़े, मिन्नतें की, मगर पुलिस ने एक ना सुनी और लगातार पीटते रहे। इसके बाद गांववासी देर रात को थाने पहुंचे और उसे पुलिस के चंगुल से छुडवाया। इस बीच एसपी ने पीडित की पत्नी सुनीता देवी की फरियाद पर मामले की जांच डीएसपी ऐलनाबाद को सौंप दी है। इस घटना को लेकर दलित सामाजिक संगठनों में पुलिस के प्रति रोष पनप रहा है। कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने नागरिक अस्पताल में अशोक से मुलाकात भी की है। दिनों दिन यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है। उधर, बेरहमी से पिटाई करने के आरोपी पुलिस सब इंस्पेक्टर पूनम चंद का कहना है कि अशोक कुमार व सुरेश कुमार की आपसी लड़ाई से ही अशोक को चोटें आई है। हमने कोई पिटाई नहीं की। उनका कहना है कि अशोक के खिलाफ चोपटा थाने में कोई मुकद्दमा दर्ज नहीं हैं।

फ्लाइट कैंसिल हुई तो पिता ने दिखाई हिम्मत, बेटे के लिए रात भर कार चलाकर 800 कि.मी. दूर मंजिल तक पहुंचाया

रोहतक २०/०१ (संवाददाता): हाल ही में इंडिगो एयरलाइंस की उड़ानों के रद्द होने से देशभर के एयरपोर्ट्स पर जो अफरातफरी मची थी, उसकी वजह से हजारों यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लेकिन हरियाणा के रोहतक में एक पिता के संघर्ष की ऐसी कहानी सामने आई है, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया। रोहतक के मायना गांव के रहने वाले पेशे से वकील राजनारायण पंघाल ने एयरलाइंस की बदइंतजामी के आगे घुटने टेकने के बजाय अपने बेटे के भविष्य को प्राथमिकता दी। फ्लाइट कैंसिल होने पर उन्होंने कार निकाली और एक ही रात में करीब 800 किलोमीटर का सफर तय कर अपने बेटे को इंदौर पहुंचा दिया। दरअसल, राजनारायण का 17 वर्षीय बेटा आशीष इंदौर में रहकर 12वीं कक्षा की पढ़ाई करता है और वह शूटिंग का खिलाड़ी भी है। आशीष छुट्टियों में घर आया हुआ था और उसे 8 दिसंबर को इंदौर में अपने प्री–बोर्ड एग्जाम में शामिल होना था। इसके अलावा, खेल में उसकी उपलब्धियों के लिए कॉलेज की ओर से उसे एक सम्मान समारोह में पुरस्कृत भी किया जाना था। पिता और पुत्र 6 दिसंबर को तय समय पर दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे, लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें पता चला कि इंदौर जाने वाली उनकी फ्लाइट रद्द कर दी गई है।

इस खबर ने दोनों को चिंता में डाल दिया क्योंकि ट्रेन में इतनी जल्दी कन्फर्म टिकट मिलना नामुमकिन था। पिता राजनारायण को लगा कि अगर समय पर नहीं पहुंचे तो बेटे का एग्जाम और अवॉर्ड दोनों छूट जाएंगे। ऐसे में उन्होंने तुरंत फैसला लिया कि वे किसी भी हाल में बेटे को सड़क के रास्ते ही इंदौर लेकर जाएंगे। दिल्ली से इंदौर की दूरी करीब 800 किलोमीटर थी, लेकिन पिता ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने सारी रात खुद कार चलाई और बिना रुके सफर तय किया। उनकी इस मेहनत का नतीजा यह रहा कि वे अगली सुबह सही समय पर इंदौर पहुंच गए। पिता के इस साहसिक फैसले और रात भर की ड्राइविंग की बदौलत आशीष न केवल अपने प्री–बोर्ड एग्जाम में शामिल हो सका, बल्कि उसे तय कार्यक्रम के अनुसार सम्मान भी प्राप्त हुआ। इंडिगो के संकट ने भले ही आम जनता को मुसीबत में डाला हो, लेकिन रोहतक के इस पिता ने साबित कर दिया कि बच्चों के भविष्य के लिए अभिभावक किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं।

डीसी द्वारा राष्ट्रीय विजेता खिलाड़ियों का नगद पुरस्कारों से सम्मान

जालंधर २०/०१ (संवाददाता): डिप्टी कमिश्नर और जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु अग्रवाल (आईएएस) ने गुरुवार को अपने निवास पर आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 2 लाख की नकद राशि देकर सम्मानित किया। यह समारोह पंजाब बैडमिंटन के लिए ऐतिहासिक रहा, क्योंकि इस बार राज्य ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अब तक की सबसे अधिक पदक संख्या हासिल की। प्रमुख खिलाड़ियों में मान्या रल्हन खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स स्वर्ण पदक विजेता, वीराज शर्मा, इनायत गुलाटी और जोरावर सिंह भुवनेश्वर में आयोजित सब–जूनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चौंपियनशिप में रजत और कांस्य पदक विजेता थे। करतार ग्रुप ने भी विजेता खिलाड़ियों और कोच गगन रत्ती को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। खिलाड़ियों को बधाई देते हुए डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने उनके समर्पण और अनुशासन की सराहना की और कहा कि उनकी उपलब्धियों ने जालंधर और पंजाब का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा, "आपकी मेहनत और लगन रंग लाई है। यह सफलता आपको और ऊँचा लक्ष्य रखने के लिए प्रेरित करे।" पंजाब बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव रितिन खन्ना ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए डिप्टी कमिश्नर और करतार ग्रुप का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के सम्मान खिलाड़ियों को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देते हैं। समारोह के दौरान कई राज्य चौंपियन खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया, जिनमें मृदुल झा, समृद्धि भारद्वाज, वर्ण्या सोनी, सान्वी रल्हन, वीरन सेठ, समर्थ भारद्वाज, लव कुमार और शौर्य खन्ना शामिल हैं। पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और कोच सचिन को भी खेल के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर करतार वाल्व्स के डायरेक्टर एस. राजिंदर जुनेजा भी उपस्थित रहे। एक अन्य महत्वपूर्ण घोषणा में डॉ. अग्रवाल ने हाल ही में भारी बारिश से क्षतिग्रस्त हुए रायजादा हंसराज बैडमिंटन स्टेडियम की छत की मरम्मत के लिए जिला बैडमिंटन एसोसिएशन को 10 लाख की ग्रंट भी जारी की। अंतरिम समिति के सदस्यों ने खेलों के विकास के लिए उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

पर्यावरण संरक्षण की प्रहरी बनी मान सरकार

चंडीगढ़ २०/०१ (संवाददाता): मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब सरकार ने पर्यावरण संरक्षण की तरफ विशेष कदम उठाए हैं। इन्हीं कदमों का परिणाम है कि पराली जलाने के मामलों में रिकॉर्ड कमी आई है। अनाज मंडियों में अभी लगभग 90 लाख मीट्रिक टन (एल.एम.टी.) फसल पहुंचनी बाकी है, इसलिए राज्य में पराली जलाने का सवाल ही नहीं उठता। मान सरकार ने पराली प्रबंधन को केवल फाइलों में नहीं, खेतों में उतारा। हर जिले में अभियान छेड़ा गया।

हजारों सीआरएम मशीनें किसानों को दी गईं ताकि वे पराली को खेत में ही दबाकर मिट्टी में मिलाएं, न कि आग लगाएं। गाँव–गाँव में टीमें बनाई गईं, ब्लॉक स्तर पर मॉनिटरिंग हुई और अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई कि एक भी आग न लगे। आंकड़ों की बात करें तो साल 2024 में 28 अक्टूबर तक पराली जलाने के 2,137 मामले सामने आए थे। इस वर्ष राज्य में 31.72 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की खेती की गई है,।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

कांग्रेस ने भुवनेश्वर में विकसित भारत-जी राम जी योजना को लेकर विरोध प्रदर्शन किया

भुवनेश्वर २०/०१ (संवाददाता): कांग्रेस ने सोमवार को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के बैनर तले भुवनेश्वर के लोअर क्कल्ल स्क्वायर पर सत्याग्रह (विरोध मार्च) किया। यह विरोध महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (विकसित भारत-जी राम जी को नई शुरू की गई विकसित भारत-जी राम जी योजना से बदलने के खिलाफ था। बाद में प्रदर्शनकारियों ने इस मुद्दे पर ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति को एक ज्ञापन सौंपा। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व ऋत्नक्क्रऽ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील पंवार, RGPRS के प्रदेश अध्यक्ष सुदर्शन दास और कई वरिष्ठ कार्यकारी सदस्य और समर्थकों ने किया, जो स्न्नहक्रश्वतऽ को तुरंत बहाल करने की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन में बैठे।

इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए पंवार ने कहा कि देश के करोड़ों गरीब लोग, जिन्हें उन्होंने देश का असली मालिक बताया, लंबे समय से अपने हक की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस ने उन्हें स्न्नहक्रश्वतऽ के रूप में काम का अधिकार दिया था, जो एक अधिकार-आधारित कानून था। हालांकि, पिछले महीने बीजेपी सरकार ने संसद में स्न्नहक्रश्वतऽ एक्ट को खत्म कर दिया और ङ्कक्क्ङ्कत्न क्रऋङ्कत्न नाम से एक नया योजना-आधारित कानून लाया। पंवार ने आगे कहा कि दोनों के बीच मूल अंतर यह था कि स्न्नहक्रश्वतऽ एक अधिकार-आधारित कानून था, जबकि ङ्कक्क्ङ्कत्न क्रऋङ्कत्न एक योजना-आधारित कार्यक्रम है जिसे कभी भी बंद किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, स्न्नहक्रश्वतऽ के तहत, रजिस्टर्ड जॉब कार्ड धारकों को 15 दिनों के भीतर काम मांगने का कानूनी अधिकार था। अब ङ्कक्क्ङ्कत्न क्रऋङ्कत्न के तहत वह अधिकार छीन लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पहले, पंचायती राज संस्थाओं के पास यह तय करने का अधिकार था कि गांवों में किस तरह का काम किया जाएगा और साल के किसी भी महीने में मजदूर कब रोजगार मांग सकते हैं। पंवार ने कहा, अगर 15 दिनों के भीतर काम नहीं दिया जाता था, तो मजदूर बेरोजगारी भत्ता पाने का हकदार था। ये सभी सुरक्षा उपाय हटा दिए गए हैं, जिससे मजदूर वर्ग अपने अधिकारों से वंचित हो गया है।केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए संशोधित फंडिंग पैटर्न की आलोचना करते हुए पंवार ने कहा कि पहले केंद्र सरकार मजदूरी लागत का 100 प्रतिशत वहन करती थी, जबकि राज्य केवल प्रशासनिक खर्चों के लिए जिज़्मेदार थे। उन्होंने चेतावनी दी, अब 60ऱ्40 का फंडिंग रेशियो लागू कर दिया गया है। कमजोर फाइनेंस वाले राज्य डेवलपमेंट के काम शुरू नहीं कर पाएंगे, जिससे ग्रामीण मजदूरों को रोजगार नहीं मिल पाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए, ऋत्नक्क्रऽ के ओडिशा चेयरपर्सन सुदर्शन दास ने आरोप लगाया कि मौजूदा क्क्छ्क्क सरकार ने ङ्कक्क्ङ्कत्न क्रऋ त्न योजना लाकर मूल स्न्नहक्रश्वतऽ एक्ट की भावना को खत्म कर दिया है, जिससे, जैसा कि उन्होंने दावा किया, राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों के तहत दिए गए काम के अधिकार के संवैधानिक मकसद को कमजोर किया गया है।

राउरकेला इस्पात संयंत्र द्वारा स्टील लैडल लाइनिंग के जीवनकाल में नया रिकॉर्ड दर्ज

राउरकेला २०/०१ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) ने स्टील मेल्टिंग शॉप-2 (एसएमएस-2) के स्टील लैडल संज़्या 29 में 210 हीट्स की उल्लेखनीय लैडल जीवनकाल उपलज़्धि हासिल कर 150 टन स्टील लैडल की लाइनिंग के जीवनकाल में नया मानक स्थापित किया है। यह उपलज़्धि सितंबर 2020 में स्थापित 206 हीट्स के पूर्व रिकॉर्ड से अधिक है।

यह मील का पत्थर रिफ्रैक्टरी इंजीनियरिंग (सेवाएँ) विभाग एवं एसएमएस-2 के कर्मचारियों की प्रभावी टीमवर्क, सतत प्रयासों और पूर्ण समर्पण को दर्शाता है। साथ ही, यह आरएसपी में लैडल रिफ्रैक्टरी प्रदर्शन, परिचालन अनुशासन तथा रखरखाव प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार को भी रेखांकित करता है। उल्लेखनीय है कि स्टील लैडल प्रबंधन सेट की आपूर्ति मेसर्स आरएचआई मैग्नेसिटा इंडिया रिफ्रैक्ट्रीज़ लिमिटेड द्वारा की गई थी। उक्त लैडल की लाइनिंग 15 अज़्टूबर 2025 को की गई थी और 11 जनवरी 2026 को प्रचालन से उतारे जाने से पहले इसने सफलतापूर्वक 210 हीट्स पूरे किए।

लैडल की बढ़ी हुई आयु अनुकूलित रिफ्रैक्टरी चयन, टैपिंग एवं टीमिंग के दौरान मानक परिचालन प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन, प्रभावी स्लैग नियंत्रण पद्धतियाँ, बेहतर तापमान प्रबंधन, समयबद्ध रखरखाव हस्तक्षेप तथा परिचालन, रिफ्रैक्टरी और रखरखाव विभागों के बीच घनिष्ठ समन्वय के माध्यम से प्राप्त की गई।इतनी उच्च लैडल लाइफ की उपलज़्धि से रिफ्रैक्टरी खपत में कमी, लैडल की उपलज़्धता में वृद्धि, परिचालन डाउनटाइम में कमी और सुरक्षा में सुधार हुआ है, जिससे आरएसपी में इस्पात निर्माण कार्यों की विश्वसनीयता और लागत दक्षता में उल्लेखनीय योगदान मिला है।

नालको ने 30,000 करोड़ के निवेश से अंगुल स्मेल्टर और नए थर्मल पावर प्लांट के विस्तार की योजना बनाई

भुवनेश्वर २०/०१ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विज़न में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, ओवरऑल इकोनॉमिक ग्रोथ और नेट-ज़ीरो एमिशन को मुज़्य प्रायोरिटी के तौर पर हासिल करने पर ज़ोर दिया गया है, नालको के छ्रस्छ बृजेंद्र प्रताप सिंह ने सोमवार को कहा। उन्होंने आगे कहा कि इस विज़न के हिसाब से, हम 0.5 मिलियन टन के एज़्सपेंशन की प्लानिंग कर रहे हैं और ग्रीन पावर को अपनाने के बारे में भी सोच रहे हैं।

एल्युमिनियम की बड़ी कंपनी ह्रस्ह्र के चीफ ने यहां ढ्ढह्रस् को बताया कि उनके 2030 प्लान के हिस्से के तौर पर, हम 30,000 करोड़ रुपये के एज़्सपेंशन का प्रपोज़ल दे रहे हैं, जिसमें 0.5 मिलियन टन का स्मेल्टर और 1,080 रूङ्ख का थर्मल पावर प्लांट शामिल है। ये दो बड़ी यूनिट हैं जिनकी हम प्लानिंग कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, DPR की तैयारी शुरू हो चुकी है, और छ्वक्क्र तैयार करने वाले कंसल्टेंट का अपॉइंटमेंट इसी महीने पूरा होने की उज़्मीद है। हमारा मकसद इस साल जुलाई या अगस्त तक छ्वक्क्र के लिए बोर्ड से मंजूरी लेना है। घरेलू मार्केट में बढ़ती डिमांड को पूरा करने के लिए, नालको ओडिशा में अपने अंगुल स्मेल्टर में ब्राउनफील्ड एज़्सपेंशन के ज़रिए अपनी एल्युमिनियम स्मेल्टिंग कैपेसिटी को 0.5 मिलियन टन प्रति वर्ष तक बढ़ाना चाहता है। कंपनी ने एक नए 0.5 मिलियन टन एल्युमिनियम स्मेल्टर और 1,080 रूङ्ख पावर प्लांट के लिए ऋद्ध 30,000 करोड़ के इन्वेस्टमेंट की तैयारी की है। प्रोजेज़्ट के 2030 में पूरा होने की उज़्मीद है प्रस्तावित एज़्सपेंशन में ग्लोबल बेंचमार्क के साथ बेस्ट-इन-ज़्लास, पर्यावरण के अनुकूल सस्टेनेबल टेज़्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसके 2030 में पूरा होने की उज़्मीद है। कैपेसिटी एज़्सपेंशन के लिए ह्रस्ह्र के तीन साल के विज़न के बारे में पूछे जाने पर, सिंह ने कहा कि पहली प्राथमिकता एल्युमिना प्लांट के पांचवें स्ट्रीम एज़्सपेंशन को चालू करना है, साथ ही पोट्टांगी माइंस में ऑपरेशन शुरू करना है।

उन्होंने ढ्ढह्रस् को बताया, यह हमारा पहला टारगेट है। हम इस साल जून में पांचवीं स्ट्रीम के लिए कमीशनिंग प्रोसेस शुरू करने का प्लान बना रहे हैं, और पोट्टांगी माइंस में ऑपरेशन भी जून में शुरू होने वाले हैं। डाउनस्ट्रीम और वैल्यू-एडेड प्रोडज़्ट्स के बारे में, हम 60,000 टन कैपेसिटी वाली एक वायर रॉड मिल लगाने का प्लान बना रहे हैं। एक सवाल के जवाब में, उन्होंने कहा कि ह्रस्ह्र को अपने प्राइवेट सेज़्टर कॉज़्पिटिटर्स वेदांता और हिंडाल्को पर एक फायदा है ज़्योंकि उसके पास अपनी बॉज़्साइट और कोयला माइंस हैं जो रॉ मटेरियल की कॉस्ट कम करती हैं और बहुत अच्छा बैकवर्ड इंटीग्रेशन देती हैं। उन्होंने आगे कहा कि इससे कंपनी को कॉज़्पिटिटिव एज मिलता है।

भुवनेश्वर आश्रम में अनाथ महिला से शादी, सॉफ्ट वेयर इंजीनियर ने दिलाई प्रेरणा

भुवनेश्वर २०/०१ (संवाददाता): कभी अकेली और अपनी पहचान की तलाश में भटकने वाली संतोषिनी नायक को आज एक नया परिवार और जीवन भर का साथी मिल गया है। करीब एक दशक पहले मंचेश्वर की सड़कों पर अकेली छोड़ दी गई संतोषिनी नायक ने एक दिल को छू लेने वाली सेरेमनी में शादी की, जिससे उनके जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। सूत्रों के अनुसार, शादी भुवनेश्वर के जीवनज्योति आश्रम में पूरे रीति-रिवाजों और धूमधाम से हुई, जहाँ संतोषिनी अपने रिश्तेदारों द्वारा छोड़े जाने के बाद पली-बढ़ी थीं। सॉज़्टवेयर इंजीनियर खिरोद पटनायक ने उनका हाथ थामा और उनके जीवन साथी बने, जो जिज़्मेदारी और करुणा की एक मिसाल है। संतोषिनी ने 12 साल की उम्र में अपने माता-पिता को खो दिया था और बाद में उनके मामा के रिश्तेदारों ने उन्हें पढ़ाई के बहाने छोड़ दिया था। तब से जीवनज्योति आश्रम ही उनका घर और परिवार बन गया। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद, उन्होंने ओडिशा में बसने से पहले हैदराबाद के एक होटल में काम किया था। आश्रम के अधिकारियों ने शादी का भव्य आयोजन किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें कभी भी अनाथ जैसा महसूस न हो। गहनों और कपड़ों से लेकर शादी की पूरी दावत तक, हर रस्म प्यार और सज़्मान के साथ निभाई गई। गाँव वालों, शुभचिंतकों और आश्रम के सदस्यों ने जोड़े को आशीर्वाद दिया और उनके सुखी और खुशहाल जीवन की कामना की।नई दुल्हन संतोषिनी ने ह्रञ्जङ्क को बताया, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी शादी इतने अच्छे घर में होगी और मुझे इतना अच्छा परिवार मिलेगा।

पुलिस ने बड़ी गांजा तस्करी का किया पर्दाफाश, 4 गिरफ्तार

संबलपुर २०/०१ (संवाददाता):ओडिशा के संबलपुर ज़िले में चेकिंग ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने एक कार, 1 लाख रुपये कैश और पांच मोबाइल फोन के साथ 25 किलो 400 ग्राम गांजा ज़ब्त किया है। यह ज़ब्ती रविवार को जमनकिरा पुलिस ने बदरामा के पास की। पुलिस के मुताबिक, रूटीन गाड़ी चेकिंग के दौरान रोकी गई एक कार से यह नशीला पदार्थ बरामद किया गया। गांजे के साथ, अधिकारियों ने 1 लाख रुपये कैश और पांच मोबाइल फोन भी ज़ब्त किए। ज़ब्त किए गए नशीले पदार्थ की अनुमानित कीमत लगभग 1.5 लाख रुपये है।،द्यह्यश ऋद्गड्डस्र - श्वष्ठ छापेमारी के बाद गंजम में अवैध खनन पर शिकंजा कसा गया बाद में दिन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, कुचिंडा सब-डिविज़नल पुलिस अधिकारी (स्ष्ठक्क्ह्र) प्रदीप कुमार दास ने कहा कि गांजे को अवैध रूप से संबलपुर से कोलकाता ले जाया जा रहा था। इस तस्करी रैकेट में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान रोशन सिंह, दीपक पांडे, मोहज़्मद दानिश और उज़्ाम बगारती के रूप में हुई है। ये सभी संबलपुर ज़िले के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। एक बड़े ड्रग तस्करी नेटवर्क से लिंक का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

स्ष्ठक्क्ह्र ने कहा, हमें टिप मिली थी कि एक होंडा सिटी कार में गांजा ले जाया जा रहा है और वह संबलपुर की ओर जा रही थी। कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीम ने गाड़ी को रोका, और पूरी तलाशी के बाद, टीम ने भारी मात्रा में गांजा ज़ब्त किया।卐 स्ष्ठक्क्ह्र ने आगे बताया, एक स्थानीय मजिस्ट्रेट और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके बाद ज़ब्ती और गिरफ्तारियां हुईं। गांजा दो बड़े बोरों से बरामद किया गया और बाद में ज़ब्त कर लिया गया। कुल 25 किलो 400 ग्राम गांजा ज़ब्त किया गया है। इसके अलावा, 500 रुपये के नोटों में 1 लाख रुपये कैश भी ज़ब्त किया गया है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से पांच मोबाइल फोन भी ज़ब्त किए हैं।

आरएसपी में पूर्व सेवानिवृत्ति कर्मचारी सशक्तिकरण कार्यशाला रोशनी की गई आयोजित

राउरकेला २०/०१ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) के सीपीटीआई में एक पूर्व-सेवानिवृत्ति कर्मचारी सशक्तिकरण कार्यशाला रोशनी का आयोजन किया गया। मुज़्य महाप्रबंधक (उपकरण एवं स्वचालन), श्री के के सेनगुप्ता उद्घाटन सत्र के मुज़्य अतिथि थे। महाप्रबंधक प्रभारी (रोल शॉप), श्री एस आर मोहंती सज़्मानित अतिथि थे। एक कार्यपालक सहित संयंत्र के 46 कर्मचारी, जो जनवरी 2026 के महीने में सेवानिवृत्त होंगे, सत्र में भाग लिया। %रोशनी% के सत्रों में एक सहज सेवानिवृत्ति के बाद की ज़िंदगी को आसान बनाने के लिए ज़रूरी कई तरह के टॉपिक शामिल थे। अतिरिक्त मुज़्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा), डॉ. शिवलकर ने निज़्नलिखित सत्र में स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं और स्वस्थ सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन के लिए रणनीतियों को संबोधित किया। साइबर सुरक्षा मुद्दों से संबंधित मामलों पर उप महाप्रबंधक (सी एंड आईटी), श्री वी पी आर्य द्वारा चर्चा की गई, जहां डिजिटल युग में इंटरनेट के फायदे बताए गए और प्रतिभागियों को उनकी डिजिटल उपस्थिति की रक्षा करने में मदद करने के लिए साइबर खतरों और सुरक्षा की दुनिया में अंतर्दृष्टि प्रदान की गई।वित्त पर सत्र में उप प्रबंधक (वित्त और लेखा), श्री डी के दाश ने बाद के चरण में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सुचारू अंतिम निपटान और प्रभावी वित्त प्रबंधन के लिए प्रक्रियाओं पर विचार किया। सहायक महाप्रबंधक (वित्त और लेखा), श्री पप्पू कुमार ने वित्तीय सुरक्षा योजना के बारे में बात की। बदलाव के इस अहम दौर से निपटने और मकसद भरी और एक्टिव ज़िंदगी जीने के लिए महाप्रबंधक प्रभारी (एसपीपी), डॉ. पी के पाढ़ी ने पॉजिटिव माइंडसेट की तैयारी पर बात की। संगठन के अंदर क्वार्टर वेकेशन और प्रतिधारण नीतियों के विवरण उप प्रवंधक (टाउन सर्विसेज़), श्री भरत महंता द्वारा चर्चा की गई। सेल मेडिज़्लेम योजना को सहायक महाप्रबंधक (एचआर-ईए, जी, ईआर और सी), श्री अविनाश द्वारा संबोधित किया गया था .

शुरुआत में सहायक प्रबंधक (एचआर-ईआर एंड सी), श्री एस पी माँझी ने सभा का स्वागत किया जबकि श्री अविनाश ने उप प्रबंधक (एचआर-ईआर एंड सी), श्री एस के नायक, श्रम निरीक्षक, श्री के के परिडा और एचआर-ईआर टीम के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया। रोशनी कार्यशाला का उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सकारात्मकता, उत्साह और तैयारी के साथ सेवानिवृत्ति को गले लगाने के लिए व्यापक तरीके से तैयार करना है।